हाईस्कूल के निर्माण में भी आप ने सहयोग दिया है।

आप धर्मनिष्ठ व कर्मठ समाजसेवी हैं।●

दुलीचन्द अग्रवाल

आप का जन्म २२ जून १६२६ ई० को लाडनूं (नागौर) में हुआ। कलकत्ता तथा आगरा में आपने शिक्षा प्राप्त की। वर्तमान में कलकत्ता महानगर में आप व्यवसाय रत हैं।



स्वाधीनता संग्राम के दौरान १६४२ ई० में 'भारत छोड़ो' आन्दोलन में आपने सक्रिय भाग लिया। राममनोहर लोहिया तथा ज्यां पाल सार्त्रे की विचारधारा से आप अनुप्राणित हैं। जातीय उत्थान में आप का अनुराग है। आप पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन तथा कलकत्ता मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष हैं। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के आप उप-महामन्त्री हैं। आप राजस्थानी समाज के संस्थापक-अध्यक्ष तथा अखिल भारतीय अग्रवाल पत्रकार संघ के संयोजक हैं।

साहित्यिक जगत में आप का विशेष अनुराग है। मासिक पत्र 'प्रलय' का आपने सम्पादन किया है। आपकी रचनाएँ विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती हैं।

आप प्रबुद्ध चिन्तक तथा कर्त्तव्यनिष्ठ समाजसेवी हैं। ●

स्व. मोहनलाल लाठ

आप ने स्वाधीनता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया। अत्याचारी अंग्रेज शासकों के विरुद्ध आप जुलूसों में शामिल होते, धरना देते एवं सत्याग्रह में भाग लेते थे। खादी के प्रचार में आप अग्रणी थे। महात्मा गांधी द्वारा उद्घाटित 'शुद्ध खादी भण्डार' में आपने कुछ काल तक अवैतनिक कार्य भी किया था।

आप बड़े शिक्षाप्रेमी थे। अपनी धर्मपत्नी ज्ञानवती लाठ के साथ आपने बड़ाबाजार में शिक्षा प्रचार-प्रसार के लिए प्रशंसनीय कार्य किया था। बांसतल्ला क्षेत्र में छोटे छोटे बच्चों को आधुनिक किण्डर-गार्डेन पद्धति से शिक्षा देने के लिए 'अभिनव भारती' की आप ने स्थापना की। आप ने इसमें प्रशिक्षित सुयोग्य शिक्षकों की व्यवस्था की थी।

अपने देशप्रेम तथा शिक्षानुराग के लिए आप स्मरणीय रहेंगे। ●

डॉ. रामदुलार सिंह

आप का जन्म २८ जुलाई १६२७ ई० को ग्राम पलिया बल्लीपुर (वाराणसी) में हुआ। नौरंग सिंह आप के पिता थे। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से आपने एम. ए., पी-एच. डी. की उपाधि प्राप्त कर कलकत्ता



विश्वविद्यालय से लाइब्रेरियनशिप में डिप्लोमा लिया।

खुदीराम बोस कालेज में आप हिन्दी प्राध्यापक रह चुके हैं। सम्प्रति नेशनल लाइब्रेरी (कलकत्ता) में संस्कृत, पालि तथा प्राकृत भाषा विभाग के आप सहायक पुस्तकाध्यक्ष हैं। लाइब्रेरी में रह कर आपने अनेक महत्वपूर्ण शोध कार्य किए हैं। १४८१ ई० से १८०० ई० तक की देशी-विदेशी ६ हजार पुस्तकों की सूची आप ने तैय्यार की है। १८०० ई० से १८६७ ई० तक की अवधि में प्रकाशित प्राचीन पुस्तकों की भी आप ने सूची तैय्यार की है।

आप निर्भयी तथा राष्ट्रप्रेमी व्यक्ति हैं। स्थल-सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय में आप ने मेप रीडिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। भारत-चीन युद्ध के समय २ वर्ष तक और भारत-पाकिस्तान युद्ध में ४ महीने तक आप सैनिक सेवा में युद्ध-क्षेत्र में रहे। बांगला देश मुक्ति अभियान में पाक युद्ध-बन्दियों के साथ आपने प्रहरी की भूमिका अदा की। स्पेशल पुलिस आफिसर के रूप में आप कलकत्ता पुलिस को सहयोग देते रहे हैं।

गत ३० अगस्त १९७८ ई० को आप ने अपना सर्वस्व संत कीनाराम को समर्पित कर दिया। उन्हीं की प्रेरणा से आपने अपनी जीवन भर की बचत ६० हजार रुपये अपनी जन्म-स्थली पलिया-बल्लीपुर में सर्वेश्वरी महिला विद्यापीठ को प्रदत्त कर दी है। कलकत्ता महानगर में आयोजित सार्वजनिक आयोजनों में आप सोत्साह भाग लेते रहते हैं।

आप निर्भय देशभक्त तथा निष्ठावान समाजसेवी हैं। ●

सोहनलाल तापड़िया

कलकत्ता विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त कर आप रसायन उद्योग तथा वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं। आप भारत चेम्बर आफ कामर्स की स्थायी आयात समिति के सदस्य तथा इण्डियन केमिकल्स डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसियेशन की कार्यकारिणी के सदस्य हैं।



सामाजिक तथा सार्वजनिक कार्यों में आप सोत्साह भाग लेते हैं। जगन्नाथ तापड़िया हाईस्कूल तथा कन्या पाठशाला के आप संचालक हैं। आप कलकत्ता मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी के सदस्य तथा माहेश्वरी विवाह सुधार समिति के कोषाध्यक्ष हैं। आपने ३-४ बीघा गोचर भूमि पशुओं के चरने के लिए प्रदान कर रखी है। साथ ही एक दातव्य औषधालय का आप संचालन कर रहे हैं। योगासन तथा प्राकृतिक चिकित्सा में आप का अनुराग है। यौगिक संघ के आप मन्त्री रह चुके हैं।

आप कुशल व्यवसायी तथा सेवाभावी सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

पुष्कर लाल केड़िया

आप का जन्म १९३० ई० में गुढ़ा में हुआ। झाबरमल केड़िया आप के पिता थे। अध्ययन हेतु आप कलकत्ता आ गए। छात्रावस्था में ही आप स्काउटिंग में निष्ठा-पूर्वक भाग लेने लगे और जब १९५१ ई० में आस्ट्रिया में अन्तर्राष्ट्रीय स्काउटिंग सम्मेलन का आयोजन हुआ, तब आप ने भी उस में

भाग लिया। १९७४ ई० में स्काउटिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए आप राष्ट्रपति द्वारा 'सिल्वर स्टार' पदक से सम्मानित किए गए हैं। सम्प्रति आप स्काउट कमिश्नर हैं।



सार्वजनिक सेवा हेतु आपने २६ जनवरी १९५२ ई० को नागरिक स्वास्थ्य संघ की स्थापना की। आप इसके संस्थापक मन्त्री भी बने। इस संस्था के माध्यम से आप ने अनेक स्वास्थ्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। बड़तल्ला स्ट्रीट में स्थित विशुद्धानन्द हास्पिटल के आप मन्त्री हैं।

जातीय उत्थान हेतु केड़िया महासभा को आपने प्रचुर आर्थिक सहयोग दिया और कई वर्ष तक इसके मन्त्री भी रहे। अपनी जन्मस्थली गुढ़ा की नागरिक परिषद के भी आप मन्त्री रह चुके हैं।

आप कर्त्तव्यनिष्ठ तथा सेवाभावी समाजसेवी हैं। •

राम थिरानी

आप का जन्म १५ अक्टूबर १९३१ ई० को नोहर (राजस्थान) में हुआ। गजानन्द थिरानी के आप पुत्र हैं। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप कलकत्ता महानगर में ही उद्योग रत हैं।

संगठनात्मक तथा रचनात्मक कार्यों में आप की प्रवृत्ति है। १९६२ ई० में चीनी आक्रमण के दौरान आप ने 'सुरक्षा कोष' संग्रहार्थ कार्य किया। १९६४-६५ ई० में



भारतीय नवयुवक संघ के सचिव पद पर रह कर आपने बाढ़ पीड़ितों की राहत के लिए कार्य किया। सम्प्रति 'परिवार मिलन' संस्था के सचिव के रूप में आप छात्र-छात्राओं में राष्ट्रीय तथा सामाजिक चेतना जाग्रत करने हेतु प्रयत्नशील हैं।

नोहर नागरिक परिषद के सचिव पद पर रह कर आपने इसका संगठन सुदृढ़ किया।

आप क्रियाशील कार्यकर्त्ता हैं। •

सुमन भाई शाह

आप का जन्म २७ जनवरी १९३६ ई० नाडियाड (गुजरात) में हुआ। मोतीलाल शाह आप के पिता थे। अपने पैतृक रसायन व्यवसाय के सिलसिले में आप १९५६ ई० में कलकत्ते आए और इस महानगर को ही अपना कार्यस्थल बना लिया।

लायन्स क्लब आफ बेहाला के माध्यम से लोकहित कार्यों में आप सपत्नीक सक्रिय भाग लेते हैं। कलकत्ते से सुदूर स्थित ग्रामांचलों में आप सेवा शिविरों, विशेष कर नेत्र शल्य चिकित्सा का आयोजन करते रहते हैं। तीन हृदय रोगियों को अमेरिका तथा रुस चिकित्सा हेतु भेजने में आप की प्रमुख भूमिका रही।

साहित्य तथा कला से भी आप का

लगाव है। अभिनय, संगीत तथा पत्रकारिता आप के जीवन के अभिन्न अंग हैं। 'वल्लभ



वाणी' पत्रिका के आप संचालक-सम्पादक रह चुके हैं। 'सम्पूर्ण गीता चित्रांकन' में आप सक्रिय रूप से संलग्न हैं।

गुजराती समाज के आप प्रमुख कार्यकर्त्ता हैं। अखिल भारतीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव समाज के आप उपाध्यक्ष तथा मंत्री रह चुके हैं। अपनी जन्मभूमि नाडियाड में एक भवन बनवा कर सार्वजनिक कार्य हेतु आप ने उसे समर्पित कर दिया।

आप कलानुरागी तथा सेवाभावी व्यक्ति हैं। •

भालीराम सुरेका

आप का जन्म २ नवम्बर १९४० ई० को रतननगर (राजस्थान) में हुआ है। नन्दलाल सुरेका के आप पुत्र हैं। वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय से वाणिज्य में आपने स्नातकीय उपाधि प्राप्त की है। वर्त्तमान में आप सूता एवं कपड़े के थोक व्यवसाय में संलग्न हैं।

जातीय उन्नयन हेतु आप विशेष क्रियाशील हैं। वर्त्तमान में प० बंग मारवाड़ी सम्मेलन के आप कोषाध्यक्ष हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी तथा काशी विश्वनाथ सेवा समिति से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं। श्री शिवशक्ति सेवा समिति, श्री दधीच जनकल्याण समिति पूर्वांचल, आदि विभिन्न सार्वजनिक संस्थाओं में आप सोत्साह योगदान कर रहे हैं।

अपनी जन्मभूमि के विकास में आप की अभिरुचि है। वहाँ पर आपने बनारसी देवी सुरेका प्रसूति गृह की स्थापना की है। आप वहाँ के गांधी बाल विद्या मन्दिर ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा इण्टरनेशनल कल्चरल फोरम के सदस्य हैं।

आप उत्साही तथा कर्मठ समाजसेवी हैं। •

शंकरलाल हरलालका

आप का जन्म माघ शुक्ला ४ संवत् १९९९ को मण्डावा (राजस्थान) में हुआ। माधो प्रसाद हरलालका के आप पुत्र हैं। हायर सेकेण्डरी तक शिक्षा प्राप्त कर आप मुद्रण व्यवसाय में संलग्न हैं।



१९५४ ई० में बाल सभा नामक संस्था की आपने स्थापना की। १९३१ ई० से ही बड़ाबाजार सिविल डिफेंस संगठन के आप कर्मठ सदस्य हैं और 'विशिष्ट सेवा पदक' से सम्मानित हो चुके हैं। १९७६ ई० तथा १९७८ ई० में बाढ़-पीड़ितों के राहत हेतु खाद्य सामग्री वितरण में आपने सक्रिय योगदान किया। तारकेश्वर, गंगासागर तथा सती सावित्री मेला समारोहों पर सेवा कार्य में आप निष्ठापूर्वक भाग लेते हैं।

साहित्यिक जगत में आप की अभिरुचि है। १९८१ ई० से जातीय पत्रिका 'हरलालका' का आप प्रकाशन कर रहे हैं।

आप कर्त्तव्यनिष्ठ तथा अग्रगामी कार्य-कर्त्ता हैं। ●

शिवकुमार मिश्र

आप का जन्म १६ अक्टूबर १९४२ ई० को चिड़ावा (राजस्थान) में हुआ। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की।

युवावस्था से ही आप सामाजिक उत्थान तथा सार्वजनिक सेवा कार्यों में भाग लेने लगे। आप अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यालय मंत्री, प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संगठन मंत्री तथा कलकत्ता मारवाड़ी सम्मेलन के सह-मंत्री रह चुके हैं। कलकत्ता किरायेदार संघ, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी तथा काशी विश्वनाथ सेवा समिति द्वारा चलाये गए विभिन्न अभियानों में आप ने भाग लिया। सुप्रसिद्ध समाजसेवी बजरंगलाल लाठ द्वारा संचालित करीमगंज के 'बांगला देश शरणार्थी रिलीफ कैम्प' की व्यवस्था आप ने सँभाली।

आप मिलनसार तथा सेवाभावी व्यक्ति हैं। ●

श्रवण कुमार जैन

आप का जन्म १९४४ ई० में हुआ है। सोहनलाल लमेचू के आप दत्तक पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकीय उपाधि प्राप्त कर आप पैतृक व्यवसाय (फूल मार्का घी) में संलग्न हैं। कालान्तर में आप ने मुद्रणालय भी स्थापित किया है।

धार्मिक तथा सामाजिक उत्थान में आप की अभिरुचि है। आल इण्डिया दिगम्बर भगवान महावीर २५०० वां निर्वाण महोत्सव सोसाइटी (प० बंगाल), दिगम्बर जैन दातव्य औषधालय, दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर



जीर्णोद्धार समिति, श्री बंगाल-बिहार-उड़ीसा दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी तथा दिगम्बर जैन शिक्षालय के आप सह-मन्त्री रह चुके हैं। जैन परिषद तथा श्री दिगम्बर जैन बाल मण्डल के आप अध्यक्ष हैं। दिगम्बर जैन युवक समिति के आप प्रचार मन्त्री हैं। दिगम्बर जैन भवन, वीर शासन ट्रस्ट तथा मुन्नालाल चैरिटेबल ट्रस्ट के आप ट्रस्टी हैं।

साहित्यिक जगत में आप का अनुराग है। दिगम्बर जैन युवक समिति की स्वर्ण जयन्ती स्मारिका के आप सम्पादक रह चुके हैं। सम्प्रति इसके मुख-पत्र 'सत्य-दर्शन' का आप सम्पादन कर रहे हैं।

आप कुशल संगठनकर्त्ता तथा सक्रिय समाजसेवी हैं। ●

गोविन्द शरण रावत

आप का जन्म १८ अगस्त १९४५ ई० को कलकत्ता में हुआ। शामलाल रावत के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से एम. ए., एल-एल. बी. की उपाधि प्राप्त कर आप वकालत में संलग्न हैं।

सार्वजनिक सेवा में आप की निष्ठा है। १९५८ ई० में अपने मित्रों के सहयोग से आपने 'सोसाइटी बेनेफिट सर्किल' की स्थापना

की। इस के अन्तर्गत लेक गार्डेन्स में एक नि:शुल्क औषधालय चल रहा है। साथ ही



घरों में बची हुई दवाओं को संग्रहीत कर उन्हें जरूरतमंद गरीब रोगियों को दिलवाने का अभियान भी आप ने चला रखा है।

हिन्दी साहित्य में आप की विशेष रुचि है। आप सहृदय कवि हैं। आकाशवाणी से हिन्दी में कानून विषयक आप की वार्त्ताएँ प्रसारित होती रहती हैं। आप के प्रयास से सोसाइटी बेनेफिट सर्किल द्वारा 'त्रियान' (मासिक) का प्रकाशन हिन्दी तथा अंग्रेजी में किया जा रहा है।

आप ध्येयनिष्ठ तथा कर्मठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

सत्यनारायण ओझा (दाधीच)

आप का जन्म १४ जुलाई १९४८ ई० को कलकत्ता में हुआ। पं० शिवकिशन ओझा आप के पिता हैं। सम्प्रति आप मनिहारी व्यवसाय में संलग्न हैं।

बड़ाबाजार अंचल की विभिन्न समस्याओं पर हुए आन्दोलनों में आप सदैव सोत्साह भाग लेते हैं। गंगासागर मेले पर यात्रियों की सेवा करने के लिए आपने दाधीच नवयुवक संघ का गठन किया। इसी तरह बैद्यनाथ-धाम के यात्रियों की सुविधार्थ आपने शिवभक्त कांवड़ संघ का गठन किया। कालान्तर में अपने साथियों के सहयोग से आप ने दाधीच जनकल्याण समिति (पूर्वांचल) की स्थापना भी की।



१९७० ई० में आप खादी प्रचार हेतु बीकानेर गए थे। वहाँ सर्वोदय आन्दोलन के कई शिविरों में आप व्यवस्थापक रहे। इस दौरान लोकनायक जयप्रकाश नारायण, गोकुल भाई भट्ट, सिद्धराज डड्ढा, प्रभृति मूर्धन्य सर्वोदयी नेताओं का सानिध्य आप को प्राप्त हुआ।

आप सेवानिष्ठ तथा संघर्षशील व्यक्ति हैं। •

मिलाप चन्द बोथरा

आप का जन्म ९ मार्च १९५३ ईस्वी को तारानगर (चूरु) में हुआ। मानिक चन्द बोथरा के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से वाणिज्य में स्नातक की उपाधि



प्राप्त कर आप ने जीवन-संग्राम में प्रवेश किया।

सामाजिक कार्य में आप की अभिरुचि है। आप यूथ वेलफेयर एसोसियेशन के अध्यक्ष तथा जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के साहित्य-संयोजक हैं।

अपनी जन्मभूमि के उन्नयन हेतु आप जागरुक हैं। तारानगर युवक परिषद के आप मन्त्री हैं। वहाँ के बाल मन्दिर, पुस्तकालय, डांडिया नृत्य समारोह आदि की सुचारु व्यवस्था में आप सक्रिय भाग ले रहे हैं।

आप ध्येयनिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं।●

स्व. किशन दयाल जालान

आप का जन्म १८६९ ई० में फतेहपुर-शेखावाटी (राजस्थान) में हुआ था। चुन्नीलाल जालान आप के पिता थे। कलकत्ता महानगर ही आप का कार्यक्षेत्र था।



आप धर्म, समाज तथा राष्ट्र की सेवा में समर्पित थे। कुरीतियों एवं ढकोसलों का भण्डाफोड़ करने तथा मानव-सेवा को ही परम धर्म मानने के लिए आप सतत उद्यमी रहे। जहाँ कहीं भी समाज में पाखंड या व्यवस्था में विश्रृंखलता दिखाई पड़ती, आप वहाँ विरोध में डट कर खड़े हो जाते थे। श्राद्ध-कर्म के आप सख्त खिलाफ थे एवं चाहते थे कि यह रकम गरीबों में बाँट दी जाय। हिन्दू सेवा सदन, बाल सेवा सदन, मारवाड़ी एसोसियेशन, मारवाड़ी सभा, बजरंग परिषद, तरुण संघ, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन, अग्रवाल नवयुवक समिति, माहेश्वरी नवयुवक समिति, बड़ाबाजार युवक सभा, लोक भारती परिषद आदि के साथ आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध थे। मारवाड़ी सहायता समिति (सम्प्रति मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी) के प्रारंभिक दिनों में इसके विकास हेतु आपने बड़ी निष्ठा से काम किया। काशी विश्वनाथ सेवा समिति में भी आप सोत्साह योगदान करते थे।

आप साहित्यसेवी एवं शिक्षानुरागी थे। श्री विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय के भवन निर्माण में जब बाधा पड़ी, तब आप ने कतिपय अन्य समाजसेवियों के साथ यह शपथ ली कि भवन निर्माण के पश्चात ही पगड़ी बाँधेंगे। सावित्री पाठशाला, डीडू माहेश्वरी पंचायत विद्यालय, मारवाड़ी बालिका विद्यालय, माहेश्वरी विद्यालय आदि शिक्षण-संस्थाओं के विकास में आपने मदद की। बड़ाबाजार लाइब्रेरी, बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय एवं महावीर पुस्तकालय से भी आप घनिष्ठ रूप में जुड़े रहे।

अपनी जन्मस्थली फतेहपुर-शेखावाटी में असहाय वृद्धों के लिए आपने एक भोजनालय स्थापित किया और वृद्धों को घर-घर में भोजन बनवा कर पहुँचवाया भी।

आप का निधन २८ जून १९५७ ई० को हुआ। अपनी गौरवपूर्ण समाजसेवा के लिए आप चिर-स्मरणीय रहेंगे। ●

रामकुमार खेतान

आप का जन्म १८७८ ई० में अलसीसर (राजस्थान) में हुआ। हुनतराम खेतान के आप पुत्र हैं। कलकत्ता महानगर ही आप का कार्य क्षेत्र रहा। खेतान कम्पनी में आप ने दीर्घ काल तक काम किया।

आप प्रकृति से आस्तिक तथा धर्मपरायण व्यक्ति हैं। इधर काफी दिनों से आप बनारस

में रहने लगे हैं और धार्मिक संस्थाओं में यथा-सम्भव सहयोग देते रहते हैं।

प्राकृतिक जीवन तथा नैसर्गिक सुषमा के आप उपासक हैं। कलकत्ता मारवाड़ी समाज में आप ऐसे सर्वप्रथम व्यक्ति हैं, जो कि १०४ वर्ष की आयु में भी पूर्ण स्वस्थ है और साथ में प्रखर स्मरण-शक्ति का धनी है। कलकत्ता महानगर के कई स्थानों पर आप का नागरिक अभिनन्दन किया गया है।

स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन प्राप्ति के लिए आप नवयुवकों के लिए प्रेरणास्पद हैं। •

स्व. गोवर्द्धन दास सराफ

आप का जन्म आश्विन शुक्ला ५ संवत् १९४० को कलकत्ता में हुआ। हरिबक्स सराफ के आप पुत्र थे। आप सूती वस्त्र के आयातक तथा जूट के निर्यातक थे। आप ने बेलडांगा में चीनी मिल तथा नदिया में २ हजार बीघे में कृषि फार्म स्थापित किया था। आप मारवाड़ी एसोसियेशन के अध्यक्ष तथा भारत चेम्बर के सचिव भी रहे।

शैक्षणिक जगत में आप की विशेष रुचि थी। आप विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय के अध्यक्ष तथा सावित्री पाठशाला की कार्य-समिति के सदस्य रह चुके थे। सार्वजनिक कार्य में भी आप का अनुराग था। आप कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के अध्यक्ष, बाबा कालीकमलीवाला पंचायत क्षेत्र के सचिव, विशुद्धानन्द मारवाड़ी अस्पताल तथा अग्रसेन स्मृति भवन की कार्यकारिणी के सदस्य थे।

आप मथुरा-वृन्दावन हासानन्द गोचर भवन के संयुक्त सचिव, मण्डावा के सनातन धर्म पंचायत हाईस्कूल तथा हृषिकेश आयुर्वेद सेवा समिति की कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके थे।

१७ अप्रैल १९७४ ई० को आप दिवंगत हुए। अपने शिक्षाप्रेम तथा धर्मानुराग के लिए आप स्मरणीय रहेंगे। •

स्व. ब्रजमोहन दास मिश्र (बाबाजी)

आप का जन्म १८८६ ई० में इलाहाबाद में हुआ। रामदास कुमड़िया के आप पुत्र थे। कलकत्ता में आ कर आप पैतृक वस्त्र व्यवसाय में आप संलग्न हो गए।



स्वाधीनता संग्राम में आप ने सक्रिय योगदान किया। महात्मा गांधी के आह्वान पर विदेशी वस्त्र बहिष्कार आन्दोलन के दौरान आपने गम्भीर आर्थिक क्षति के बावजूद अपनी बिलायती कपड़े की दूकान को बन्द कर दिया और गल्ले का कारबार शुरु किया। अपनी संगठन प्रतिभा का परिचय देते हुए आपने इण्डियन प्रोड्यूस एसोसियेशन की स्थापना की और इसके प्रथम सचिव भी बने। कालान्तर में आप दीर्घ काल तक इसके सभापति रहे। इण्डियन ह्वीट एण्ड सीड्स एसोसियेशन की स्थापना में आप की प्रमुख भूमिका रही।

सनातन धर्म में आप की दृढ़ आस्था थी। आप का जीवन बड़ा सादगीपूर्ण तथा लोकोपकारी था। गरीबों की हर सम्भव सहायता करना तथा उनकी लड़कियों की शादी में विशेष रूप से आर्थिक सहयोग करना आप की जीवन-चर्या का अभिन्न अंग था। स्त्री-शिक्षा के प्रति आप विशेष रूप से

जागरुक थे। सारस्वत खत्री बालिका विद्यालय के आप दीर्घ काल तक अध्यक्ष रहे।

अपनी जन्मस्थली इलाहाबाद में स्थित सारस्वत खत्री पाठशाला सोसाइटी को आप सदैव आर्थिक सहायता प्रदान करते रहे।

धार्मिक तथा सामाजिक कामों में आप हमेशा अग्रणी रहते थे। इसलिए सभी लोग आप को आदर से 'बाबाजी' के उपनाम से सम्बोधित करते थे। ●

स्व. मोतीलाल लाठ

आप का जन्म मंगसिर बदी १३ संवत् १९४९ को मण्ड्रेला (राजस्थान) में हुआ था। हजारीमल लाठ के आप पुत्र थे। कलकत्ता महानगर में कपड़े की दलाली से आप ने कार्यारम्भ किया और कालान्तर में कपड़े की दूकान और फिर कारपेटस् (फर्श-दरी) की दूकान खोली।

महात्मा गांधी के आप अनन्य श्रद्धालु थे। उनकी प्रेरणा से आप ने जहाँ सामाजिक कुरीतियों, यथा – दहेज एवं मृतक भोज का डट कर विरोध किया, वहीं हरिजनों के घरों में सफाई और विधवाओं के पुनर्विवाह हेतु भी आजीवन प्रयत्नशील रहे। मारवाड़ी बालिका विद्यालय के प्रारम्भिक २० वर्षों में आप ने इस का दायित्व सफलतापूर्वक सम्भाला। मासिक पत्र 'मारवाड़ी' का आप ने सम्पादन किया था।

मारवाड़ी आरोग्य भवन (जसीडिह) के आप दीर्घकाल तक मंत्री रहे। अपनी जन्म-भूमि मण्ड्रेला में आप ने गर्ल्स मिडिल स्कूल स्थापित किया और अपने प्रयत्नों से डाकघर भी खुलवा दिया।

आप का स्वर्गवास जेठ बदी ८ संवत् २०३६ को कलकत्ता में हुआ। समाज-सुधार के क्षेत्र में अपनी दृढ़ आस्था के लिए आप स्मरणीय रहेंगे। ●

स्व. नारायण दास बाजोरिया

आप का जन्म १८९५ ई० के लगभग कलकत्ता में हुआ था। जगन्नाथ बाजोरिया के आप पुत्र थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने हिन्दी साहित्य में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। आप तेल तथा जूट उद्योग के प्रतिष्ठित व्यवसायी थे।



महात्मा गांधी के आप अनन्य अनुयायी थे। आप सदैव खादी के वस्त्र धारण करते थे और स्वतन्त्रता संग्राम में दिलचस्पी रखते थे। अंग्रेजों के वारण्ट से बचने के लिए आप चन्दननगर (जो फ्रांसीसियों के अधीन था) चले गए, किन्तु आप की सब पुस्तकें सरकार के कब्जे में चली गईं। १९२९ ई० में महात्मा गांधी के साथ आप इंगलैण्ड गए। युगल किशोर बिड़ला तथा घनश्याम दास बिड़ला के सानिध्य में भी आपने काम किया।

आप साहित्यानुरागी थे। साहित्य सम्बर्द्धन समिति के अन्तर्गत आप ने गीता का अनुवाद करवाया था। अन्य भी अनेक श्रेष्ठ पुस्तकें आप ने प्रकाशित करवाईं। कनखल (हरिद्वार) में आप ने एक संस्कृत विद्यालय तथा पुस्तकालय की स्थापना की।

आप धर्मनिष्ठ तथा सेवाभावी व्यक्ति थे। भगवानी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट तथा जगन्नाथ बाजोरिया ट्रस्ट के अधीन आप ने

एक मन्दिर तथा एक होम्योपैथिक अस्पताल की स्थापना की।

२९ दिसम्बर १९७२ ई० को आप का देहावसान हुआ। अपने देशप्रेम तथा शिक्षा-अनुरक्ति के लिए आप स्मरणीय रहेंगे। •

भगवान दास बाजोरिया

आप का जन्म फाल्गुन कृष्णा १० संवत् १९५९ को कलकत्ता में हुआ। जगन्नाथ बाजोरिया आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आप ने अर्थ-शास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। सम्प्रति आप अग्रणी उद्योगपति है।



सामाजिक तथा सार्वजनिक सेवा कार्यों से आप का लगाव है। श्री विशुद्धानन्द सरस्वती मारवाड़ी हास्पिटल तथा बड़ाबाजार लाइब्रेरी के आप सक्रिय कार्यकर्त्ता हैं। स्काउट आन्दोलन में भी आप प्रमुखता से भाग लेते हैं। •

स्व. बृजलाल नेवटिया

आप का जन्म संवत १९७१ में कलकत्ता में हुआ। रामेश्वर दास नेवटिया के आप पुत्र थे। आप बड़ाबाजार अंचल की वृहत्तम औषधि की दूकान के स्वत्वाधिकारी थे।

महात्मा गांधी के आप अनन्य भक्त थे। स्वाधीनता संग्राम के दौरान बड़ाबाजार क्षेत्र में नवयुवकों को संगठित कर आप ने जन-आन्दोलनों को तीव्रता प्रदान करने में अपनी भूमिका अदा की। आजीवन खद्दर के वस्त्र धारण करने का आपने दृढ़ व्रत लिया था। बड़ाबाजार जिला कांग्रेस समिति के आप निष्ठावान तथा कर्मठ कार्यकर्त्ता थे।

आप बड़े कुशाग्र बुद्धि तथा सेवाभावी व्यक्ति थे। सामाजिक तथा सार्वजनिक सेवा संस्थाओं में आप सोत्साह योगदान करते थे। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी तथा बड़ाबाजार युवक सभा से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध थे।

अपने पैतृक-स्थल नवलगढ़ के उन्नयन में आप की अभिरुचि थी। वहाँ के दातव्य औषधालय तथा पिंजरापोल आदि सेवा संस्थाओं के विकास हेतु आप तत्पर रहते थे।

संवत २०१८ में हृदय-गति अवरुद्ध हो जाने से आप का निधन हो गया। आप कुशल संगठनकर्त्ता तथा प्रबुद्ध राष्ट्रसेवी थे। •

विश्वनाथ लोहिया

आप सफल व्यवसायी तथा कर्मठ समाजसेवी हैं। आप इण्डियन कैपोक एसोसियेशन के सभापति तथा इण्डियन फाउण्डरी एसोसियेशन की कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं।



राजनीति में आपने सक्रिय भाग लिया। हावड़ा जिला कांग्रेस के आप सहमन्त्री बने। बाली नगरपालिका के आप पार्षद निर्वाचित हुए और कांग्रेसी दल के सचेतक भी बने।

आप प्राचीन संस्कृति तथा गो सेवा के उपासक हैं। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के उपाध्यक्ष, प्रधान मन्त्री, शाखा मन्त्री आदि विभिन्न पदों पर रह कर आप ने अपनी कार्यक्षमता का परिचय दिया। इसके गो सम्वर्द्धन अंक का आप सम्पादन कर चुके हैं। आप हनुमान परिषद के उपाध्यक्ष तथा मारवाड़ी सम्मेलन (हावड़ा) के मन्त्री रह चुके हैं। मारवाड़ी समाज में कुरीतियों को हटाने के लिए आप प्रयत्नशील हैं। मृतक बिरादरी भोज के विरुद्ध हावड़ा में हुए आन्दोलन में आप अग्रणी रहे।

सार्वजनिक तथा शैक्षणिक संस्थाओं के उन्नयन में आप की रुचि है। आप भारतीय निःशुल्क विद्यालय (लिलुआ) तथा सत्यनारायण माधव मिश्र विद्यालय (हावड़ा) के प्रधान मन्त्री, हिन्दुस्तान सेवा संघ की उपसमितियों के अध्यक्ष, तथा सेण्ट जान एम्बुलेंस (हावड़ा) के उपसभापति रह चुके हैं।

अपनी बहुमुखी समाज सेवा के लिए आप प्रशंसनीय हैं। •

बसन्त कुमार बिड़ला

आप का जन्म फरवरी १९२१ ई० में कलकत्ता महानगर में हुआ। मूर्धन्य उद्योगपति तथा सुप्रसिद्ध समाजसेवी घनश्याम बिड़ला के आप पुत्र हैं। अपनी दूरदर्शिता तथा प्रतिभा से आप ने पैतृक उद्योग समूह 'बिड़ला ब्रादर्स' के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निबाही। केसोराम इंडस्ट्रीज, सेंचुरी स्पिनिंग, जयश्री टी, जेनिथ स्टील, सेंचुरी इंका आदि ख्यातिलब्ध उद्योगों के आप चेयरमैन हैं। विश्व के अग्रणी औद्योगिक देशों का विस्तृत भ्रमण कर उन की प्रबन्ध तकनीकी का आप ने विशद् अध्ययन किया। १९६० ई० में इथियोपिया सरकार के आमंत्रण पर आप ने 'इण्डो-इथियोपिया टेक्सटाइल्स' की स्थापना की, जो कि किसी भी भारतीय उद्योगपति द्वारा विदेश में स्थापित वृहत्तम संयंत्र है।



ललित कला, साहित्य, शिक्षा तथा क्रीड़ा जगत के उन्नयन में आप ने महत्वपूर्ण योगदान किया है। बिड़ला अकादमी आफ आर्ट एंड कल्चर, बिड़ला विद्या विहार, बिड़ला संस्कृति न्यास, माहेश्वरी सभा तथा बिड़ला शिक्षा न्यास (पिलानी) के आप ट्रस्टी हैं। बिड़ला इंस्टीच्यूट आफ साइंस एण्ड टेक्नोलाजी (पिलानी) तथा बिड़ला विद्या मन्दिर के संचालक मण्डल के आप सदस्य हैं। संगीत कला मन्दिर के आप संस्थापक-अध्यक्ष हैं।

हिन्दू धर्म के प्रचार-प्रसार हेतु आप सदैव सोत्साह दान देते हैं। आप की कोई भी औद्योगिक परियोजना मन्दिर निर्माण के बिना पूर्ण नहीं होती। वैदिक धर्म पर प्रकाण्ड विद्वानों के सार्वजनिक प्रवचन आप आयोजित करवाते रहते हैं। तीर्थयात्रा में भी आप की गहरी अनुरक्ति है।

दुर्लभ तथा ऐतिहासिक वस्तुओं के संग्रह में आप की विशेष रुचि है। छायांकन तथा बागवानी आप के प्रिय शौक हैं।

उद्योग तथा संस्कृति के उन्नयन में अपने महत्वपूर्ण योगदान द्वारा आप युवा पीढ़ी के लिए आदर्श बन गए हैं। •

कालीकृष्ण रोहतगी

आप का जन्म ६ दिसम्बर १९२२ ई० को हुआ। विज्ञान में स्नातकीय उपाधि प्राप्त कर आप ने जीवन संग्राम में प्रवेश इंडिया इलेक्ट्रिक वर्क्स लिमिटेड के माध्यम से किया। अपनी दूरदर्शिता तथा कर्मठता से आप इसकी दिल्ली शाखा के प्रबन्धक बन गए और कालान्तर में स्वयं पंखा निर्माण हेतु कारखाना स्थापित किया। आधुनिकतम तकनीकी का अध्ययन करने हेतु आप ने यूरोप के प्रमुख कारखानों का बारीकी से निरीक्षण किया।



क्रीड़ा जगत में आप का प्रारम्भ से ही अत्यधिक अनुराग रहा। तैराकी, निशानेबाजी, बास्केटबाल तथा जिमनास्टिक में आपने विशेष प्रवीणता अर्जित की। बेहाला के अपने बाग में आप ने एक राइफल क्लब स्थापित कर दिया है। दिल्ली में आयोजित निशानेबाजी प्रतियोगिता में आपने अपना कौशल प्रदर्शित किया। आप कालेज स्क्वायर स्वीमिंग क्लब के मन्त्री तथा पश्चिम बंगाल बास्केटबाल एसोसियेशन के कोषाध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में पश्चिम बंगाल जिमनास्टिक एसोसियेशन तथा बड़ाबाजार युवक सभा के आप वरिष्ठ सक्रिय सदस्य हैं।

अपने क्रीड़ानुराग तथा कर्मठता द्वारा आप नवयुवक खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं। •

विनयकृष्ण रस्तोगी

आप का जन्म ५ दिसम्बर १९२९ ई० को कलकत्ता में हुआ। घनश्यामदास रस्तोगी के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने बी. कॉम., एल. एल-बी. की परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं। सम्प्रति आप कलकत्ता उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत हैं।



आप धीर-गम्भीर तथा दृढ़ राष्ट्रवादी प्रकृति के व्यक्ति हैं। तरुणावस्था से ही आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सक्रिय रूप में सम्बद्ध रहे। १९४८ ई० में जब संघ पर प्रतिबन्ध लगा, तब आप सत्याग्रह कर जेल गए। फिर आपातकाल के दौरान पुनः आपने संघ पर से प्रतिबन्ध हटाने के लिए सत्याग्रह में भाग लिया। वर्तमान में आप संघ की अखिल भारतवर्षीय प्रतिनिधि सभा के सदस्य तथा पश्चिम बंग प्रांत के व्यवस्था-प्रमुख हैं।

समाज सुधार में आप सतत उद्यमी हैं। आप ने अपनी चचेरी विधवा बहन का पुनर्विवाह करवाया तथा स्वयं भी बिना आडम्बर या दहेज के मात्र ११ बाराती ले जा कर विवाह किया।

आप चिन्तनशील विचारक तथा कुशल वक्ता हैं। सम्प्रति श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के आप अध्यक्ष हैं।

आप दृढ़-प्रतिज्ञ तथा जागरुक समाजसेवी हैं। •

बलदेव दास अग्रवाल

आप का जन्म १८९९ ई० में कलकत्ता में हुआ। मुकुन्दलाल अग्रवाल आप के पिता थे। बम्बई बुक डिपो के नाम से आप की पुस्तकों की दूकान है।

महात्मा गांधी के आप अनन्य अनुयायी हैं। आप सदैव खद्दर का ही व्यवहार करते हैं। सूत्र-यज्ञ (चरखा चलाने) के आप प्रणेता हैं। गांधी जयन्ती एवं अन्य विशेष अवसरों पर आप लगातार ४८ से ७२ घंटों तक चरखा चलाते हैं। सर्वोदयी विचार-धारा में आप की दृढ़ आस्था है। विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक तथा सार्वजनिक सेवा कार्यों में आप लगे रहते हैं।

आप का स्वदेश-प्रेम अनुकरणीय है। ●

स्व. मदनलाल टीबड़ेवाल

आप का जन्म कलकत्ता में हुआ था। इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप व्यवसाय में संलग्न हो गए।



शिक्षा-प्रसार में आपकी बहुत दिलचस्पी थी। श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के संस्थापकों में आप थे। कालक्रम में इसके अनेक विभागों का दायित्व सँभालते हुए आप ने इसे व्यापक आधार प्रदान करने में विशेष योगदान किया।

आप धुन के पक्के तथा सेवाव्रती व्यक्ति थे। ●

शिवराम पोद्दार

आप सफल व्यवसायी हैं। सार्वजनिक कार्यों में आप सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के



आप सभापति रह चुके हैं। वर्त्तमान में बम्बई में रहते हुए भी कुमारसभा से आप का निरन्तर सम्पर्क बना हुआ है।

आप सेवानिष्ठ तथा व्यवहार-कुशल व्यक्ति हैं। ●

सोहनलाल जाजोदिया

आप का जन्म कलकत्ता में १९१० ई० के लगभग हुआ। तनसुख राय जाजोदिया



आप के पिता थे। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप व्यवसाय में संलग्न हो गए।

वर्त्तमान में बम्बई महानगर में आप कई कल-कारखाने चला रहे हैं।

बाल्यावस्था से ही आप की सामाजिक कामों में रुचि रही। श्री बड़ाबाजार कुमार-सभा पुस्तकालय के आप संस्थापक सदस्य हैं। इस की स्थापना १९१६ ई० में सर्वप्रथम आप के महात्मा गांधी रोड (हरीसन रोड) स्थित मकान में हुई थी। कर्मठ कार्यकारिणी सदस्य के रूप में आप ने इस की उन्नति में विशेष योगदान किया। वर्त्तमान में बम्बई में रहते हुए भी आप का सम्पर्क कुमारसभा से निरन्तर बना हुआ है।

आप सदाशय तथा शिक्षानुरागी व्यक्ति हैं। ●

जुगलकिशोर कुंड़या

आप धर्मनिष्ठ तथा सेवाभावी व्यक्ति हैं। सामाजिक समस्याओं पर आप कविता



लिखा करते हैं। यौगिक संघ के आप मन्त्री रह चुके हैं। ●

हरिराम शाह

आप कई चाय बागानों के मालिक हैं। सार्वजनिक सेवा संस्थाओं में आप बहुत दिलचस्पी रखते हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के कई विभागों के मन्त्री रहने के बाद आप प्रधान मन्त्री भी बने। अपने कार्यकाल में आप ने सोसाइटी की उन्नति हेतु अनेक प्रशंसनीय कार्य किए।



आप सफल उद्योगपति तथा कर्त्तव्यनिष्ठ समाजसेवी हैं। ●

केशरदेव घोड़िया

आप का जन्म १९२४ ई० में बिसाऊ (राजस्थान) में हुआ। मुरलीधर घोड़िया आप के पिता थे। वर्त्तमान में कलकत्ता महानगर में आप सेवारत हैं।



यौगिक संघ के आप मंत्री रह चुके हैं। जब भी संघ से यात्रा दल देशाटन हेतु निकलते हैं, तब आप भ्रमण के दौरान बड़ी जिम्मेदारी से व्यवस्था सँभालते हैं। सार्वजनिक सेवा कार्यों में भी आप का अनुराग है। ●

डॉ. सुधांशु कुमार सेठ

आप का जन्म १४ अगस्त १६१४ ई० को कलकत्ता में हुआ। पन्नालाल सेठ आपके पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आपने बी. एस. सी, एम. बी. की उपाधि प्राप्त की।

प्रारम्भ से ही बड़ाबाजार अंचल के सार्वजनिक सेवा कार्यों में आप सदा अग्रणी रहे। काशी विश्वनाथ सेवा समिति के आप प्रधान सचिव रह चुके हैं। आप बड़ाबाजार सेन्ट्रल मोहल्ला कमेटी तथा नागरिक स्वास्थ्य



संघ के उपसभापति, बड़ाबाजार होम गार्ड के ग्रूप कमान्डर रह चुके हैं। वर्त्तमान में आप कलकत्ता सिविल डिफेन्स आर्गेनाइजेशन के डिवीजनल वार्डेन हैं।

राजनीति में भी आप का सक्रिय योगदान रहा है। आप १६५२ से १६७३ ई० तक कलकत्ता नगर निगम के पार्षद रह चुके हैं। अपने क्षेत्र की समस्याओं के प्रति आप सदैव जागरुक रहते हैं तथा उनके समाधान हेतु सचेष्ट भी।

आप लोकप्रिय तथा कर्मठ समाजसेवी हैं।

देशभक्त भावसिंहका

आप का जन्म कलकत्ता में हुआ। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप व्यवसाय में संलग्न हो गए।

स्वाधीनता संघर्ष में महात्मा गांधी के आह्वान पर आप ने विभिन्न आन्दोलनों तथा



सत्याग्रह में भाग लिया। सार्वजनिक कार्यों में आप की रुचि है। बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के मन्त्री के रूप में आप ने इसका कार्य क्षेत्र व्यापक बनाया।

आप निर्भय तथा शिक्षाप्रेमी कार्यकर्त्ता हैं।

गौरीशंकर बियानी

आप का जन्म फाल्गुन शुक्ला ५ संवत् १६७२ को नोहर (राजस्थान) में हुआ। बालकृष्ण बियानी आपके पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. की उपाधि



प्राप्त कर आप लौह-इस्पात तथा प्लास्टिक व्यवसाय में संलग्न हैं।

जातीय उत्थान तथा सार्वजनिक सेवा में

आप का उत्कट अनुराग है। आप माहेश्वरी पुस्तकालय, माहेश्वरी सेवा समिति, माहेश्वरी क्लब तथा माहेश्वरी समाजोत्थान समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, नागरिक स्वास्थ्य संघ तथा श्री विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय की कार्य-कारिणी के आप सदस्य हैं। अपनी जन्मस्थली नोहर में शिक्षा-प्रसार में आप का विशेष योगदान रहा।

आप मिलनसार तथा कर्त्तव्यनिष्ठ कार्यकर्त्ता हैं। ●

श्रीकिसन बंका

आप का जन्म १ अप्रैल १९१५ ई० को मलसीसर (झुंझनूं) में हुआ। दुर्गाप्रसाद बंका आप के पिता थे। विद्याध्ययन हेतु आप कलकत्ता आ गए। १९३१ ई० में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप टैक्सटाईल मशीनरी तथा लौह व्यवसाय में संलग्न हो गए।



शैक्षणिक कार्यों में आप का अनुराग है। बड़ाबाजार लाइब्रेरी तथा टाँटिया हाईस्कूल से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। आप ने 'सन्त बलदेव' नामक पुस्तक की रचना की है।

अपनी जन्मस्थली के उन्नयन में आप सचेष्ट हैं। वहाँ की पिंजरापोल सोसाइटी तथा हाईस्कूल से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं।

आप सफल व्यवसायी तथा साहित्यानु-रागी व्यक्ति हैं। ●

प्रकाश चन्द्र सूद

आप का जन्म १९१७ ई० में हुआ। लाला जयराम सूद आपके पिता थे। वर्त्तमान में आप निजी व्यवसाय में संलग्न हैं।



प्राकृतिक जीवन एवं नैसर्गिक सुषमा के आप उपासक हैं। यौगिक संघ के आप संस्थापकों में से हैं तथा कालक्रम में इसके मंत्री एवम् अध्यक्ष रह चुके हैं। सामाजिक सेवा कार्यों में भी आप भाग लेते हैं। पंजाबी बिरादरी के आप सक्रिय सदस्य हैं। ●

पद्मश्री फूलचन्द देवरालिया



आप का जन्म १९२४ ई० में देवराल गाँव (हरियाणा) में हुआ। सोहनलाल

देवरालिया आप के पिता थे। सम्प्रति कलकत्ता महानगर में आप लौह व्यवसाय में संलग्न हैं।

आप मिलनसार तथा सेवानिष्ठ व्यक्ति हैं। योग-व्यायाम में आप की विशेष रुचि है। महानगर की अनेक सार्वजनिक संस्थाओं में आप सक्रिय रूप से योगदान कर रहे हैं। हरियाणा चैरिटेबल ट्रस्ट तथा यौगिक संघ के आप अध्यक्ष रह चुके हैं। समाज सेवा में अपनी गौरवपूर्ण उपलब्धियों के लिए आप राष्ट्रपति द्वारा 'पद्मश्री' से अलंकृत किए गए।

आप उदार तथा कर्मठ समाजसेवी हैं।●

भगवतीराम पसारी

आप का जन्म १५ नवम्बर १९२५ ई० को डीडवाना (राजस्थान) में हुआ। श्यामकुमार पसारी के आप पुत्र हैं। कलकत्ता महानगर ही आप का कार्यस्थल है।



बाल्यावस्था से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप सक्रिय सदस्य हैं। आपात्‌काल के दौरान संघ के सत्याग्रहियों तथा भूमिगत कार्यकर्त्ताओं के परिवार-जनों की देखभाल में आप ने सहयोग दिया। श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की कार्यकारिणी के आप सदस्य रह चुके हैं।

अपनी जन्मस्थली के उन्नयन में आप की अनुरक्ति है। प्रवासियों की संस्था 'श्री डीडवाना नागरिक सभा' के आप सभापति रह चुके हैं।

आप विनम्र तथा ध्येयनिष्ठ व्यक्ति हैं।●

बंशीलाल सोनी

आप का जन्म १ मई १९३० ई० को चाईबासा (संथाल परगना) में हुआ। श्रीनारायण सोनी के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप ने राष्ट्र सेवा में जीवन समर्पित कर दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप सक्रिय सदस्य हैं। १९४८ ई० में संघ पर लगाए गए प्रतिबन्ध के विरुद्ध सत्याग्रह कर आप जेल गए। १९५० ई० से आप संघ के प्रचारक बन गए। पश्चिम बंगाल में संघ कार्य के विस्तार हेतु आप निरन्तर ३१ वर्ष संलग्न रहे। संघ के तत्वावधान में १९५० ई० में शरणार्थियों का पुनर्वास, १९६२ एवं १९६५ ई० के युद्धों में जनजागरण, १९६८ ई० में जलपाईगुड़ी में बाढ़-पीड़ितों की सेवा, १९७१ ई० के बांगला देश युद्ध में सैनिकों की सहायता तथा १९७३ ई० में बांगला देश में १२०० परिवारों का पुनर्वास, आदि का दायित्व आप ने सफलतापूर्वक सम्भाला। आपात् काल के विरुद्ध संघ के सत्याग्रह का संचालन करते हुए आप 'मीसा' के अन्तर्गत बन्दी हुए एवं पन्द्रह माह का कारावास सहन किया। वर्त्तमान में आप भारतीय जनता पार्टी की केन्द्रीय कार्यकारिणी के सदस्य तथा पूर्वांचल के पर्यवेक्षक हैं।

आप निर्भय देशप्रेमी तथा दृढ़व्रती समाजसेवी हैं। ●

भीमराज अग्रवाल

आप का जन्म २१ जुलाई १९२७ ई० को बहल (हरियाणा) में हुआ। नरोत्तम

दास अग्रवाल के आप पुत्र हैं। पंजाब विश्व-विद्यालय से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप कलकत्ता महानगर आ गए। वर्त्तमान में आप मनिहारी, सुपारी एवं वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं। आप मल्लिक स्ट्रीट व्यवसायी संघ के सभापति तथा महावीर कटरा व्यवसायी संघ के उपसभापति हैं।



प्राचीन भारतीय संस्कृति के आप उपासक हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप निष्ठावान कार्यकर्त्ता हैं। सार्वजनिक सेवा कार्यों में आप की रुचि है। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के आप संयुक्त प्रधान मन्त्री हैं। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी तथा बहुल सेवा समिति की कार्यकारिणी के आप सक्रिय सदस्य हैं।

आप मिलनसार तथा कर्त्तव्य-परायण व्यक्ति हैं। ●

रामगोपाल सोनी

आप का जन्म कार्त्तिक कृष्णा ६ संवत् १९८५ को डीडवाना (राजस्थान) में हुआ। लक्ष्मीनारायण सोनी आप के पिता थे। सम्प्रति आप केटलवेल बुलेन एण्ड कं० में सेवारत हैं।

आप साहित्यानुरागी हैं। हिन्दी और राजस्थानी में कई भावपूर्ण कविताएँ आपने स्वान्तः सुखाय लिखी हैं। आप ओजपूर्ण गायक तथा प्रबुद्ध वक्ता भी हैं। वर्तमान में आप श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के सहमंत्री हैं।



अपने जन्मस्थान डीडवाना के विकास में आप सतत् प्रयत्नशील हैं। डीडवाना नागरिक सभा के आप मंत्री हैं तथा डीडवाना बालिका विद्यालय भवन का निर्माण भी आप के ही मंत्रित्वकाल में सम्पन्न हुआ है।

आप मिलनसार तथा कर्मठ समाजसेवी हैं। ●

रघुनाथ प्रसाद केड़िया

आप का जन्म ३१ मार्च १९३० ई० को रतननगर (चूरू) में हुआ। शिववल्लभ केड़िया के आप पुत्र हैं। वर्त्तमान में कलकत्ता महानगर में आप वस्त्र व्यवसाय में संलग्न



हैं। सदासुख कटरा ट्रेडर्स एसोसियेशन के आप संस्थापक सदस्य हैं, कालान्तर में मंत्री

पद का दायित्व भी वहन किया। इस संस्था की ओर से आंध्र जा कर प्रलयंकारी समुद्री तूफान से पीड़ितों की आपने बहुविध सेवा की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप निष्ठावान कार्यकर्त्ता हैं। विश्व हिन्दू परिषद की उत्तर-पश्चिम कलकत्ता शाखा के आप उपाध्यक्ष हैं। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी की लिलुआ शाखा के मंत्री पद से इस की उन्नति में आप ने विशेष योगदान किया। जनसंघ दल की उत्तर-पश्चिम कलकत्ता शाखा के आप सहमंत्री तथा कोषाध्यक्ष रहे। वर्त्तमान में आप भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्त्ता हैं।

अपनी जन्मस्थली रतननगर की सार्वजनिक संस्थाओं के उन्नयन हेतु आप क्रियाशील हैं। अपने गाम्भीर्य तथा संगठन-क्षमता के लिए आप साथी कार्यकर्त्ताओं में विख्यात हैं। ●

शिवनाथ चौबे

आप का जन्म २ सितम्बर १९३१ ई० को शुक्ल छपरा (बलिया) में हुआ है। विश्वनाथ चौबे के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से हिन्दी तथा अंग्रेजी साहित्य में एम. ए. की उपाधि प्राप्त कर आपने बी. टी.



की परीक्षा उत्तीर्ण की। सम्प्रति खुदीराम बोस कालेज में आप व्याख्याता हैं।

१९४२ ई० के 'करो या मरो' आन्दोलन में आपने छात्रावस्था में सक्रिय भाग लिया। तरुणावस्था से आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निष्ठावान कार्यकर्त्ता हैं। १९४८ ई० में संघ पर प्रतिबन्ध लग जाने पर आप भूमिगत रह कर कार्य करते रहे। राजनीति में आप हिन्दूत्व के प्रबल पक्षधर हैं। प्रारम्भ से ही भारतीय जनसंघ के आप कर्मठ कार्यकर्त्ता रहे। जनता पार्टी का गठन होने पर आप उसमें शामिल हुए। कालांतर में प्रो० बलराज मधोक के नेतृत्व में स्थापित भारतीय जनसंघ के आप अखिल भारतीय महामन्त्री बने, सम्प्रति पश्चिम बंगाल शाखा के उपाध्यक्ष हैं।

आर्य समाज में आप की दृढ़ आस्था है। सत्यार्थप्रकाश ग्रन्थ पर जब सिंध में प्रतिबन्ध लगा, तब चुनार में घूम-घूम कर आप इसके चौदहवें समुल्लास का प्रवचन करते रहे। आप पत्रकार तथा लेखक भी हैं। पश्चिम बंग भोजपुरी परिषद के मुखपत्र 'भोजपुरी माटी' के आप सम्पादक हैं। बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की कार्यकारिणी के आप सदस्य रह चुके हैं।

आप हिन्दी तथा अंग्रेजी के धाराप्रवाह वक्ता हैं। आप की दबंग वक्तृता शैली की प्रशंसा सुप्रसिद्ध इतिहासकार डॉ० कालिदास नाग तथा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान रामगोपाल शालवाले ने भी की।

आप प्रखर राष्ट्रवादी बुद्धिजीवी हैं। ●

राजबहादुर गुप्ता

आप का जन्म १० नवम्बर १९३१ ई० को कलकत्ता में हुआ। रामस्वरूप गुप्ता आप के पिता थे। आपने इण्टरमीडिएट तक शिक्षा प्राप्त की है। वर्त्तमान में कोयला व्यवसाय में आप संलग्न हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप सक्रिय सदस्य हैं। माथुर वैश्य जनहित परिषद की कार्यकारिणी के आप सदस्य हैं। भारतीय मजदूर संघ के आप कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं।

राजनीति में राष्ट्रवाद के आप प्रबल समर्थक हैं। काश्मीर सत्याग्रह में आपने दिल्ली जा कर भाग लिया एवं कारावास के दण्ड



का वरण किया। १९६३ ई० में हुए कलकत्ता नगर निगम निर्वाचन में वार्ड नं० ४२ से आप ने जनसंघ प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। १९६४ ई० में प० बंगाल सरकार के राजनैतिक दमन-चक्र का शिकार हो आपको ढाई माह कारावास सहना पड़ा। प० बंगाल विधान सभा निर्वाचन में जोड़ासाकूं क्षेत्र से जनता पार्टी के उम्मीदवार प्राध्यापक विष्णुकान्त शास्त्री के लिए प्रचार करते हुए असामाजिक तत्वों के सशस्त्र हमले में आप गम्भीर रूप से आहत हो गए थे। वर्त्तमान में भारतीय जनता पार्टी की वार्ड नं० ४२ कमेटी के आप अध्यक्ष हैं।

दबंग एवं कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति के रूप में आप साथी कार्यकर्त्ताओं में लोकप्रिय हैं। ●

श्यामसुन्दर सांगानेरिया

आप का जन्म ७ अप्रैल १९३६ ई० को कलकत्ता में हुआ। बासुदेव सांगानेरिया के आप पुत्र हैं। अन्तर्विद्यालय वक्तृता प्रति-योगिया में आप ने माहेश्वरी विद्यालय स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. ए., एल-एल. बी. की परीक्षा आप ने उत्तीर्ण की। लॉ कालेज में अध्ययन के दौरान अपनी कुशाग्रता से आप ने छात्रवृत्ति एवं अनेक पदक अर्जित किए। वर्त्तमान में आप लौह तथा इस्पात उद्योग के अग्रणी व्यवसायी हैं। आप मर्चेण्टस् चेम्बर आफ कामर्स के प्रधान सचिव, आल इण्डिया स्टेनलेस स्टील यूटेन्सिल्स मैन्यूफेक्चरर्स एसोसियेशन के संयुक्त मन्त्री तथा फेडरेशन आफ स्माल इण्डस्ट्रीज आफ इण्डिया की कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं।

सार्वजनिक सेवा कार्य में आप सक्रिय भाग लेते हैं। प्रति वर्ष नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित करनेवाली प्रमुख संस्था 'सोसाइटी बेनेफिट सर्किल' के आप अध्यक्ष तथा मंत्री रह चुके हैं। आप काशी विश्वनाथ सेवा समिति तथा बजरंग परिषद के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। लायन्स क्लब आफ कलकत्ता (सिटी) के अध्यक्ष पद का दायित्व आप ने वहन किया।



गोवंश के सम्वर्द्धन हेतु आप की प्रगाढ़ अनुरक्ति है। अखिल भारतीय कृषि गोसेवा संघ की पश्चिम बंगाल शाखा के मंत्री के रूप में आप ने गोरक्षा हेतु आन्दोलन किए। आप कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के उपाध्यक्ष तथा इसकी गोपाष्टमी मेला समिति के संयोजक रह चुके हैं। धर्मसांड सहायक समिति तथा विश्व शांति अखण्ड कीर्त्तन संघ की कार्य-कारिणी के आप सदस्य हैं।

अपनी पैतृक भूमि मलसीसर की सार्व-जनिक संस्थाओं से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध

हैं। मलसीसर चैरिटी ट्रस्ट के आप ट्रस्टी तथा मन्त्री हैं।

आप प्रतिभाशाली तथा कर्त्तव्यनिष्ठ समाजसेवी हैं। ●

वीरेन्द्र कुमार भुवालका

आप का जन्म १२ अप्रैल १९३६ ई० को कलकत्ता में हुआ। सुप्रसिद्ध समाजसेवी रामकुमार भुवालका आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से आप ने वाणिज्य शास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वर्त्तमान में आप पैतृक व्यवसाय के संचालन में संलग्न हैं।



आप साहित्यानुरागी तथा उत्साही व्यक्ति हैं। भुवालका जन-कल्याण ट्रस्ट के आप ट्रस्टी हैं। इस ट्रस्ट से प्रति वर्ष लाखों रुपये सार्वजनिक, सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं को अनुदान स्वरूप प्रदान किए जाते हैं।

आप प्रबुद्ध तथा कर्मठ सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

नारायण प्रसाद माधोगढ़िया

आप का जन्म १३ अगस्त १९३८ ई० को माधोगढ़ (हरियाणा) में हुआ है। विश्म्भरदयाल माधोगढ़िया आपके पिता थे। कलकत्ता महानगर आ कर आप लौह एवं इस्पात उद्योग में संलग्न हो गए। इन्डियन फाउन्डरी एसोसियेशन के आप उपसभापति रह चुके हैं।



सार्वजनिक कार्यों में आप की अनुरक्ति है। आप उत्तर हावड़ा सेवा समिति तथा भारतीय छात्र परिषद (हावड़ा) के सभापति, बड़ाबाजार लाइब्रेरी के उपसभापति, श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के सह-सचिव, लायंस क्लब ग्राफ हावड़ा के पदाधिकारी तथा हरियाणा नागरिक संघ के प्रमुख कार्यकर्त्ता रह चुके हैं।

आप उत्साही तथा कर्मठ समाजसेवी हैं। ●

प्रेमलता भुवालका

ग्राप का जन्म १९ मार्च १९३९ ई० को कलकत्ता में हुआ है। ग्राप ने इण्टरमीडिएट तक शिक्षा प्राप्त की है। सुप्रसिद्ध समाजसेवी



रामकुमार भुवालका के कनिष्ठ पुत्र वीरेन्द्र कुमार भुवालका की ग्राप धर्मपत्नी हैं।

आप धर्मपरायण तथा उदार प्रकृति की महिला हैं। समाज-सुधार तथा साहित्यिक जगत में आप का विशेष अनुराग है। आप कर्त्तव्यनिष्ठ तथा प्रबुद्ध कार्यकत्री हैं। ●

रामप्रताप उपाध्याय

आप का जन्म आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) के एक गाँव में हुआ। कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त कर आप



अध्यापन में प्रवृत्त हुए। कालक्रम में आप ने अपना मुद्रणालय प्रारम्भ किया जहाँ से 'अव्यक्त' साप्ताहिक प्रकाशित कर रहे हैं। ●

रामावतार सरावगी

आप का जन्म १९३९ ई० में हुआ। रंगलाल सरावगी आपके पिता थे। बी.कॉम.,



एफ. सी. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप ने सरावगी एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकाउन्टेंट फर्म की स्थापना की। आप एसोसियेशन आफ कम्पनी सेक्रेटरीज, एक्जीक्यूटिव्स एण्ड एडवाइजर्स के प्रधान सचिव तथा उपाध्यक्ष रह चुके हैं।

पत्र-पत्रिकाओं में आय कर सम्बन्धी लेख आप लिखा करते हैं। आकाशवाणी से भी प्रत्यक्ष करारोपण विषय पर आप की वार्ता प्रसारित हुई। "प्रत्यक्ष कर" मासिक पत्रिका का आप ने तीन वर्षों तक प्रकाशन एवं सम्पादन किया। आप श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की कार्यकारिणी के सदस्य तथा भारतीय भाषा परिषद के सदस्य हैं। आप ने पाँच नाटक लिखे और उनका मंचन भी किया।

आप बुद्धिजीवी तथा कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं।●

रामगोपाल गुप्त

आप का जन्म कार्त्तिक बदी १५ सम्वत् २००१ में मण्ड्रेला (राजस्थान) में हुआ। महादेवलाल सूधा आपके पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.कॉम. की उपाधि प्राप्त कर के आप तेल व्यवसाय में संलग्न हैं। काशीपुर स्माल इण्डस्ट्रीज एसोसियेशन के आप कोषाध्यक्ष हैं।



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप सक्रिय कार्यकर्त्ता हैं। १९७५ ई० में आपात् काल के विरुद्ध सत्याग्रह कर आप ने कारावरण

का दण्ड सहन किया। वर्त्तमान में रवीन्द्र नगर (बड़ाबाजार) के आप बौद्धिक प्रमुख हैं। बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की कार्यकारिणी के आप सदस्य हैं। मण्ड्रेला के प्रवासी नागरिकों की संस्था 'मण्ड्रेला नगर विकास परिषद' के आप सचिव हैं।

आप ध्येयनिष्ठ तथा शिक्षानुरागी व्यक्ति हैं। •

पतञ्जलि शर्मा

आप का जन्म कार्त्तिक कृष्णा १० संवत् २००१ को राजगढ़ (सादुलपुर) में हुआ। कविराज श्रीनिवास शास्त्री आप के पिता हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम., एल-एल. बी की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप ने चार्टर्ड एकाउन्टेंट की उपाधि प्राप्त की। वर्त्तमान में पतञ्जलि एण्ड कम्पनी की स्थापना कर आप चार्टर्ड एकाउन्टेंट के रूप में उद्योग रत हैं।



आप बाल्यावस्था से ही राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ के सक्रिय कार्यकर्त्ता हैं। वर्त्तमान में आप नगर कार्यवाह के रूप में संघ कार्य प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। आपात् काल के विरोध में सत्याग्रह कर आप ने कारावास का दण्ड सहन किया। फिर १० माह तक भूमिगत रह कर सत्याग्रह का संचालन किया।

शैक्षणिक संस्थाओं में आप की विशेष रुचि है। पोद्दार छात्रावास तथा बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की कार्यकारिणी के आप सदस्य हैं। बड़ाबाजार लाइब्रेरी, योग-क्षेम प्रभृति सांस्कृतिक संस्थाओं से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं।

आप प्रबुद्ध तथा कर्मठ युवक हैं। •

चाँदरतन लखानी

आप का जन्म २४ जनवरी १९४७ ई० को कलकत्ता में हुआ। मेवराज लखानी के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. की उपाधि प्राप्त कर आप ऊन के व्यवसाय में संलग्न हैं।



सामाजिक उत्थान तथा सार्वजनिक चिकित्सा कार्यों में आप का अनुराग है। आप माहेश्वरी वयस्क विद्यालय के उपमंत्री तथा माहेश्वरी भवन समिति की कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं। नागरिक स्वास्थ्य संघ के आप उपमंत्री रह चुके हैं। इसके द्वारा आयोजित स्वर्ण जयन्ती कैम्प में मंत्री तथा चक्षु आपरेशन कैम्प में उपमंत्री पद का दायित्व-भार आपने वहन किया।

आप उत्साही तथा कर्मठ युवक हैं। •

रतनलाल सोनी

आप का जन्म १९४८ ई० में सरदारशहर (राजस्थान) में हुआ। चतुरभुज सोनी के

आप पुत्र हैं। मिडिल तक शिक्षा प्राप्त कर आप कलकत्ता आ गए एवं स्वर्णकार के रूप उद्योग रत हैं।

बाल्यावस्था से ही आप राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ के सक्रिय सदस्य हैं। आपात्काल के दौरान संघ के सत्याग्रहियों के परिवारों की देख-रेख आप ने की। १९७७ ई० में पश्चिम बंगाल में आई अभूतपूर्व बाढ़ में संघ के तत्वावधान में आप ने राहत कार्य में योग दिया। माहेश्वरी सेवा समिति, मेढ़ क्षेत्रीय नवयुवक संघ, पिंजरापोल सोसाइटी आदि में आप ने सक्रिय काम किया। ●

शंकर लाल पोद्दार

आप का जन्म २४ मई १९५६ ई० को फतेहपुर-शेखावाटी (सीकर) में हुआ। अर्जुनदास पोद्दार आप के पिता हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय में बी. कॉम. (प्रीवियस) तक अध्ययन कर आप टिन कनस्तर निर्माण उद्योग में संलग्न हैं।



बाल्यावस्था से ही आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सक्रिय कार्यकर्त्ता रहे। १९७२ ई० में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बड़ाबाजार शाखा के आप संस्थापक-मन्त्री बने। आपात् काल के दौरान संघ के कार्य विस्तार हेतु आप ने प्रचारक का दायित्व निर्वाह किया एवं सत्याग्रह कर कारादण्ड का वरण किया। १९७८ ई० में पश्चिम बंगाल में आई अभूतपूर्व बाढ़ के समय संघ के तत्वावधान में आप ने राहत कार्य में योग दिया। श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की कार्यकारिणी के आप सदस्य हैं।

अपने पैतृक ग्राम के उन्नयन हेतु पोद्दार पंचायत समिति एवं पोद्दार चैरिटी ट्रस्ट के माध्यम से आप सक्रिय सहयोग दे रहे हैं।

आप उत्साही एवं ध्येयनिष्ठ युवक हैं।●

स्व. नवरतन मल सुराना

आप का जन्म अक्टूबर १९०१ ई० में किशनगढ़ (राजस्थान) में हुआ। नन्दलाल सुराना के आप पुत्र थे। कलकत्ता में ही मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप मुद्रण व्यवसाय में संलग्न हुए।



स्वाधीनता संघर्ष के दौरान क्रांतिकारी कार्यक्रमों में आप भाग लेते थे। हिन्दी नाट्य परिषद से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध रहे। धार्मिक संस्थाओं तथा सार्वजनिक चिकित्सा कार्यों में आप की रुचि थी। आप जैन सभा, जैन शिक्षालय तथा जैन श्वेताम्बर सेवा समिति के मन्त्री बने। पूर्व भारत जैन सम्मेलन के सक्रिय सदस्य के रूप में इसके आन्दोलन में आप ने योग दिया। यौगिक संघ, प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र एवं मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के आप सदस्य थे।

आप धर्मपरायण तथा उत्साही कार्य-कर्त्ता थे। ●

स्व. मगनीराम बांगड़

आप का जन्म डीडवाना (राजस्थान) में हुआ। रामप्रसाद बांगड़ आप के पिता थे। अपने अनुज रामकुमार के साथ अर्थोपार्जन हेतु आप इस शताब्दी के प्रारम्भ में कलकत्ता आए। शेयर बाजार में दलाली से कार्य आरम्भ किया और शीघ्र ही शेयर बाजार में आप ने करोड़ों रुपये कमा लिए। आप ने बड़े पैमाने पर कलकत्ता में जमीनें एवं मकान खरीदे। आप की व्यावसायिक प्रतिभा तथा दूरदर्शिता का प्रतिफल वर्त्तमान में सुप्रसिद्ध उद्योग समूह 'बांगड़ ब्रादर्स' है।



सनातन वैष्णव-धर्म में आप की दृढ़ आस्था थी। कोई भी याचक आप के यहाँ से निराश नहीं लौटा। माहेश्वरी सभा के आप संस्थापकों में थे एवं १९२३ ई० में सभापति बने। डीडू माहेश्वरी विद्यालय के आप प्रमुख संस्थापक थे तथा विद्यालय को चितपुर रोड स्थित अपना मकान आप ने दान में दे दिया था। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, काशी विश्वनाथ सेवा समिति, कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी आदि प्रमुख सार्वजनिक संस्थाओं को आप नियमित रूप से अनुदान दिया करते थे।

अपनी जन्मस्थली के उन्नयन हेतु आप सतत् उद्यमी रहे। अपने गुरु डीडवाना स्थित झालरिया मठाधीश स्वामी बालमुकुन्दाचार्य की प्रेरणा से आप ने तीर्थराज पुष्कर में 'श्री रमा वैकुण्ठ' देवस्थान की स्थापना की। डीडवाना के बहुमुखी विकास हेतु श्रीगोपाल गोशाला, आयुर्वेदिक चिकित्सालय, संस्कृत पाठशाला, माध्यमिक विद्यालय, आनन्द भवन, वेंकटेश वस्तु भण्डार आदि सार्वजनिक सेवा संस्थाओं की आप ने स्थापना की। इन सब के सुचारु संचालन हेतु आप ने बांगड़ चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की। वाणिज्य एवं उद्योग वृद्धि हेतु आप ने डीडवाना इण्डस्ट्रियल बैंक प्रारम्भ किया। आप की इच्छा पूर्त्ति के लिए आप के वंशजों ने डीडवाना में पेय जल की व्यवस्था हेतु पाइप लाइन बिछवा दी और बांगड़ विद्यालय को महाविद्यालय बना कर नवीन भवन में प्रतिष्ठापित किया।

५० वर्ष की आयु में आप ने व्यवसाय से निवृत्ति ले ली और शेष जीवन डीडवाना तथा पुष्कर में रह कर भगवद् भजन एवं परोपकार में व्यतीत किया। समग्र देश के अनेक प्राचीन मन्दिरों का आप ने जीर्णोद्धार करवाया और अयोध्या, पुष्कर आदि तीर्थ-स्थलों पर संस्कृत विद्यालय प्रारम्भ किए। आषाढ़ शुक्ला १५ सम्वत् २००७ को आप गोलोकवासी हुए।

आप के द्वारा स्थापित विभिन्न सार्वजनिक एवं धार्मिक संस्थाएँ आप की यशस्विता की कीर्त्ति पताकाएँ हैं। •

स्व. रामकुमार बांगड़

आप का जन्म डीडवाना (राजस्थान) में हुआ। रामप्रसाद बांगड़ के आप पुत्र थे। इस शताब्दी के प्रारम्भ में ही अग्रज मगनीराम बांगड़ के साथ धनोपार्जन हेतु आप कलकत्ता आ गए। शेयर बाजार में दलाली से प्रारम्भ कर शीघ्र ही आप अग्रज के निर्देशन में स्वयं सौदे करने लगे। अल्पकाल में ही आप लोगों ने अपार सम्पत्ति अर्जित कर ली। १९२५ ई० में उद्योग जगत में आप लोगों

ने प्रवेश किया और निरन्तर प्रगति करते हुए एक विशाल औद्योगिक समूह की नींव रखी।



अग्रज के प्रति आप के हृदय में अपार श्रद्धा तथा प्रबल समर्पण का भाव था। आप भी परम वैष्णव एवं कट्टर सनातनी थे। आप सुदीर्घ काल तक माहेश्वरी सभा के ट्रस्टी रहे एवं इसकी बहुमुखी उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान किया। दक्षिण भारतीय शैली में आप ने 'बैकुण्ठनाथ देवस्थान' (बांगड़ मन्दिर) की स्थापना की, जो आज बड़ाबाजार अंचल का प्रमुख मंदिर बन गया है। अपने अग्रज की स्मृति में आप ने जोधपुर में मगनीराम बांगड़ मेमोरियल इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना की। अनेक तीर्थ-स्थलों पर आप ने प्राचीन मन्दिरों का जीर्णोद्धार करवाया तथा धर्मशालाएँ बनवाईं, यथा–रामेश्वरम्, मदुरै, श्रीरंगम्, कुम्भकोणम्, द्वारिका, पंढरपुर, प्रयाग, श्रीमाधोपुर आदि।

३० जनवरी १९६१ ई० को आप बैकुण्ठवासी हुए। आप की स्मृति में आप के परिवार ने पाथुरिया घाट स्थित 'सेठ रामकुमार बांगड़ धर्मशाला' का निर्माण करवाया।

लब्धप्रतिष्ठ उद्योगपति तथा धर्मनिष्ठ समाजसेवक के रूप में आप हमारे प्रेरणा-स्रोत रहेंगे। •

स्व. त्रियुगी नारायण शर्मा

आप का जन्म अमृतसर (पंजाब) में १८९४ ई० को हुआ। रतनलाल झिंगन के आप तृतीय पुत्र थे। बचपन से ही आप बड़े मेधावी तथा कर्मठ थे। अंग्रेजी एवं उर्दू पर आप का असाधारण अधिकार था। कलकत्ता एवं पिनांग (मलाया) को आप ने अपनी व्यावसायिक गतिविधियों का केन्द्र बनाया। १९४७ ई० में आप स्थायी रूप से पिनांग रहने लगे। कालक्रम में आप वहाँ के इण्डियन चेम्बर आफ कामर्स के सभापति सर्वसम्मति से चुने गए।



किशोरावस्था से ही आप स्वाधीनता संघर्ष में रुचि लेने लगे। अपने अग्रज के साथ आप जालियांवाला बाग की ऐतिहासिक सभा में उपस्थित थे और पकड़े जाने पर जनरल डायर ने गोली मारने का आदेश दे दिया था। दैव कृपा से आप की प्राण-रक्षा हुई। कलकत्ता आने पर यहाँ के प्रमुख कांग्रेसी कार्यकर्त्ताओं–पं० रमाशंकर त्रिपाठी, डॉ० किशोरीलाल मेहरा, मधुसूदन बर्म्मन, पं० पुरुषोत्तम राय, दयाराम बेरी, आदि से आप का घनिष्ठ सम्बन्ध हो गया। पं० जवाहर लाल नेहरु जब प्रथम बार पिनांग गए, तब अंग्रेजों के क्रोध की परवाह न कर आप के नेतृत्व में वहाँ के प्रवासी भारतीय समुदाय ने उन का भव्य स्वागत किया।

दीन-दुखियों की सहायता करने तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष में आप अग्रणी रहते थे। दहेज, बाल विवाह, मृतक भोज आदि के बहिष्कार में आप ने सहयोग किया। विधवा विवाह में सम्मिलित होने पर आप को जातीय बहिष्कार की धमकी का सामना करना पड़ा। कलकत्ता एवं पिनांग दोनों ही जगहों में लोग आप को आदर से 'मास्टरजी' कह कर सम्बोधित करते थे।

प्रधान मन्त्री पं० जवाहरलाल नेहरु के आमंत्रण पर पिनांग से दिल्ली लौटते वक्त कलकत्ता में हृदयगति रुक जाने से दिसम्बर १९५७ ई० को आप का निधन हो गया।

अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व, दबंग स्वभाव तथा समाज सेवा के लिए आप प्रतिश्रुत रहेंगे। ●

स्व. पन्नालाल गुजराती

आप का जन्म १८९६ ई० में वाराणसी में हुआ। विठ्ठलदास आप के पिता थे। हाईस्कूल की शिक्षा प्राप्त कर आप ने मुद्रण व्यवसाय को अपनाया।



१८ वर्ष की उम्र में आप कलकत्ता आ गए। १९१८ ई० में जब स्वाधीनता संघर्ष की बागडोर महात्मा गांधी के हाथ में आई, तब से आप इसमें सक्रिय भाग लेने लगे। असहयोग, नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो आदि विभिन्न आन्दोलनों में भाग ले कर आप बारम्बार जेल गए। महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष बोस एवं लालबहादुर शास्त्री जैसी विभूतियों के सान्निध्य में कार्य करने का आप को अवसर मिला।

आप निर्भीक पत्रकार एवं प्रकाशक थे। जागृति, तूफान, कलकत्ता समाचार, आँधी, बवण्डर आदि पत्रों के आप सम्पादक एवं संचालक थे। ये पत्र आप के प्रेसों से ही प्रकाशित होते थे। ब्रिटिश शासन ने क्रुद्ध हो कर आप के प्रेसों को जब्त कर लिया, पर आप अपनी आस्था में अडिग रहे। अपने जीवन के सांध्य काल में आप ने 'दैनिक बड़ाबाजार' का सम्पादन किया, जो २० वर्षों तक प्रकाशित हुआ।

आप साहित्यानुरागी तथा नाट्यप्रेमी थे। हिन्दी नाट्य समिति के आप संस्थापकों में थे एवं इसके मन्त्री भी रहे। आर्ट सेण्ट्रल हाल नामक हिन्दी रंगमंच की स्थापना में आप ने योग दिया। कलकत्ता सेवा समिति की स्थापना में आप का प्रमुख योगदान रहा। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान कलकत्ता पर जापानी बमवर्षा के समय आप ने पीड़ितों की सराहनीय सेवा की।

दीर्घ अस्वस्थता के बाद ६ मई १९८२ को आप का निधन कलकत्ता में हुआ। निर्भीक स्वाधीनता सेनानी तथा दृढ़व्रती समाजसेवी के रूप में आप सदा याद किए जायेंगे। ●

स्व. लक्ष्मीनारायण मिश्र

आप का जन्म ७ सितम्बर १८९८ ई० को कलकत्ता में हुआ। शालिग्राम मिस्सर (त्रिक्खा) आप के पिता थे। मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त कर आप पैतृक जमींदारी की देखभाल करने लगे।

आप मृदुभाषी एवं परोपकारी व्यक्ति के रूप में समाज में लोकप्रिय थे। दीन-दुखियों की गुप्त रूप से सहायता करना आप अपना फर्ज समझते थे। अनेक निर्धन परिवारों की

कन्याओं के विवाह में आपने आर्थिक सहयोग दिया। आप कट्टर सनातनधर्मी थे। हनुमान



मन्दिर न्यास तथा सारस्वत-खत्री विद्यालय के आप जीवन-पर्यन्त संरक्षक रहे।

२४ मार्च १९७७ ई० को काशी में आप गोलोकवासी हुए। दृढ़ संकल्पी तथा कर्त्तव्यनिष्ठ समाजसेवी के रूप में आप याद किए जायेंगे। ●

स्व. बैजनाथ भिवानीवाला

आप का जन्म २५ फरवरी १८९९ ई० को भिवानी (हरियाणा) में हुआ। आशाराम भिवानीवाला आप के पिता थे। कलकत्ता के अग्रणी वस्त्र-व्यवसायियों में आप की गणना होती थी। मारवाड़ी चेम्बर आफ कामर्स (सम्प्रति भारत चेम्बर्स) के मन्त्री के रूप में आप ने वस्त्र व्यवसाय की विशेष सेवा की। ब्लेंकेट एण्ड शाल ट्रेडर्स एसोसियेशन, हैण्ड डायर्स हैण्ड प्रिन्टर्स एण्ड हैण्ड ब्लीचर्स एसोसियेशन एवं वेस्ट बंगाल प्रेमिसेस ओनर्स एसोसियेशन के आप संस्थापक-सभापति थे। आप बंगाल टेक्सटाईल डीलर्स एसोसियेशन के भी सभापति बने।

सामाजिक सेवा में आप का प्रबल अनुराग था। १९४३ ई० में बंगाल के भयावह अकाल के समय आपने दरिद्र नारायण सेवा केन्द्र की स्थापना की, जहाँ २००० से २५०० व्यक्तियों को प्रति दिन भोजन कराया जाता था। १९४४ ई० में डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रेरणा से आप ने 'आशाराम भिवानीवाला अस्पताल' की स्थापना की। आप हरियाणा नागरिक संघ के संस्थापक-सभापति एवं कलकत्ता चैरिटेबल ट्रस्ट सोसाइटी के उपसभापति थे। धर्मसांड सहायक समिति, हिन्दू सत्कार समिति, इण्डियन एसोसियेशन, इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी, सेण्ट जान एम्बुलेंस आदि संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध थे।

आप सफल व्यवसायी तथा उत्साही समाजसेवक थे। ●

रायकुमार श्रीमाल

आप का जन्म २४ जून १९२४ ई० को डीडवाना (राजस्थान) में हुआ। जौहरीमल श्रीमाल आप के पिता थे। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप कलकत्ता महानगर में जवाहिरात के व्यवसाय में प्रवृत्त हुए। आप जौहरी बाजार धर्मकांटा एसोसियेशन के ट्रस्टी एवम् जौहरी मण्डल के अध्यक्ष रह चुके हैं।



१९३५ ई० में महात्मा गांधी के आह्वान पर स्वाधीनता संघर्ष में आप कूद पड़े और आजीवन खद्दर पहिनने का संकल्प लिया।

धार्मिक कार्यों में आप की विशेष प्रवृत्ति है। आप श्री श्वेताम्बर खरतरगच्छ उपाश्रय कमेटी के अध्यक्ष एवं श्री जिनरंगसूरि महाराज की गद्दी की पोशाल (आड़ी बांसतल्ला) के मन्त्री रह चुके हैं। आप दिव्यानुगामी परिषद (बम्बई) के अध्यक्ष तथा जैन विश्व भारती (लाडनूं) के निर्देशक भी बने।

प्राकृतिक जीवन पद्धति में आप की आस्था है। आप यौगिक संघ के अध्यक्ष, कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के कार्य-कारिणी सदस्य तथा कलकत्ता नगर निगम सुझाव समिति (वार्ड नं० २५) के अध्यक्ष रह चुके हैं।

अपनी जन्मभूमि के उन्नयन हेतु आप सतत् प्रयत्नशील हैं। डीडवाना नागरिक सभा के आप संस्थापक सदस्य हैं एवं अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

आप कर्त्तव्यनिष्ठ तथा धर्मपरायण समाजसेवी हैं। •

स्व. नथमल काजड़िया

आप का जन्म १६ जुलाई १९०४ ई० को माधवगढ़ (हरियाणा) में हुआ था। प्रभुदयाल काजड़िया आप के पिता थे। १५ वर्ष की आयु में धनोपार्जन हेतु आप



कलकत्ता आ गए। कालान्तर में आप अग्रणी लौह व्यवसायी बन गए।

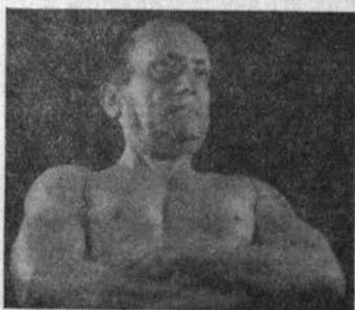
प्रारम्भ से ही असहाय एवं जरुरतमंदों की मदद करने की आप में प्रवृत्ति थी। इस हेतु आप ने प्रभुदयाल चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की। अग्रसेन स्मृति भवन के निर्माण में आप ने मुक्त-हस्त सहयोग किया।

अपनी जन्मस्थली के उन्नयन हेतु आप सदैव तत्पर रहते थे। वहाँ आप ने अपने पिता की स्मृति में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, धर्मशाला एवं औषधालय स्थापित किए। १६ बीघा गोचर भूमि भी आप ने ग्राम पंचायत को प्रदान की।

अपनी सदाशयता तथा जातीय प्रेम के लिए आप प्रसिद्ध रहेंगे। •

धर्मचन्द सरावगी

आप का जन्म १९०५ ई० में हुआ। बैजनाथ सरावगी आप के पिता थे। टाटा स्टील की बेनियनशिप के पैतृक व्यवसाय में आप संलग्न हुए। कालान्तर में आप ने टेक्सटाईल मिल, लेस फैक्टरी, डिपार्टमेण्टल स्टोर, आदि स्थापित किए।



युवावस्था से ही प्राकृतिक चिकित्सा, योगासन, व्यायाम एवं क्रीड़ा जगत् में आपकी गहन अभिरुचि रही है। फलस्वरुप आज भी आप में युवकोचित स्फूर्ति एवं सबलता है। प्रकृति निकेतन ट्रस्ट तथा कालेज स्क्वायर स्वीमिंग क्लब के आप सभापति रह चुके हैं। प्राकृतिक चिकित्सा पर आप ने कई

पुस्तकें लिखीं। आप उन प्रथम मारवाड़ी युवकों में से हैं, जिन्होंने इस शताब्दी के प्रथम चरण में वायुयान उड़ाना सीखा एवं विदेश यात्रा की। १९२९ ई० में विदेश से लौटने पर आप को तत्कालीन रूढ़िवादी समाज के जाति-बहिष्कार का सामना करना पड़ा।

सामाजिक तथा सार्वजनिक संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध रहे। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के तत्वावधान में १९३४ ई० के विनाशकारी बिहार भूकम्प के समय आपने पीड़ितों के लिए राहत-कार्य किया। अपनी कर्मठता से कालक्रम में आप सोसाइटी के सभापति बने। मारवाड़ी सम्मेलन, श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय एवं बड़ाबाजार युवक सभा के आप सभापति रह चुके हैं।

धार्मिक कार्यों में भी आप का प्रबल अनुराग है। आप श्री दिगम्बर जैन भवन के ट्रस्टी, श्री दिगम्बर जैन नया मन्दिर तथा श्री दिगम्बर जैन युवक समिति के सभापति रह चुके हैं। अपने पिता की स्मृति में आप ने एक चैरिटेबुल ट्रस्ट की स्थापना की है, जिसके माध्यम से आप प्रति वर्ष सार्वजनिक संस्थाओं को एक विशाल धनराशि अनुदान में देते हैं।

भारत सरकार द्वारा स्थापित कृषि गो सेवा समिति तथा गो सम्वर्द्धन समिति के सदस्य के रूप में आपने सक्रिय कार्य किया। कलकत्ता नगर निगम तथा पश्चिम बंगाल विधान परिषद के आप सदस्य रह चुके हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा के प्रसार में अपनी विशेष भूमिका के लिए आप सुविख्यात हैं।●

स्व. बच्छराज सुराना

आप का जन्म १९१४ ई० में चुरु (राजस्थान) में हुआ। आप के पिता तिलोकचन्द सुराणा थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातकीय उपाधि प्राप्त कर आप ने पटसन व्यवसाय में प्रवेश किया। शीघ्र ही आप की गणना अग्रणी व्यवसायियों में होने लगी।



१९३५-३६ ई० में आप महात्मा गांधी, जमनालाल बजाज आदि राष्ट्र नेताओं के सानिध्य में आए। अपने बहुत बड़े व्यवसाय को तिलांजलि दे कर आप विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष में सक्रिय सहयोग देने लगे। आप स्वयं गायन विद्या में निष्णात थे। डायमन्ड रिकार्डिंग कम्पनी की स्थापना कर आप ने अपने गाए हुए देशभक्तिपूर्ण गानों के रिकार्ड तैय्यार करवाए, जिनकी बढ़ती हुई लोकप्रियता ने जनता को झकझोर दिया। क्रुद्ध अंग्रेज सरकार ने आप के रिकार्डों को जब्त कर लिया। १९४२ ई० के 'भारत छोड़ो' आन्दोलन के दौरान लोकनायक जयप्रकाश नारायण के साथ कार्य कर के आप ने पुलिस के अत्याचारों को सहा। इसी सन्दर्भ में आप को कलकत्ता छोड़ कर चुरु को अपना कार्यक्षेत्र बनाना पड़ा। देशी राजाओं की सामन्तशाही के खिलाफ स्थापित बीकानेर राज्य प्रजा परिषद के आप अध्यक्ष बने और चुरु के किले पर तिरंगा लहरा कर अपने शौर्य का परिचय दिया। स्वतन्त्रता के

पश्चात् राजस्थान के मुख्यमंत्री जयनारायण व्यास ने जब आप को मंत्री पद देना चाहा, तब आप ने इंकार कर अपनी निःस्वार्थता का परिचय दिया।

समाज के उत्थान हेतु आप आजीवन उद्यत रहे। किसान जागरण, शिक्षा प्रचार, हरिजन सेवा आदि में आप का महत्वपूर्ण योगदान रहा। छुआछूत, मृतक भोज आदि सामाजिक बुराईयों पर बीकानेर राज्य द्वारा कानूनन रोक लगवाने का श्रेय आपको था। आपने आजीवन सहस्त्रों निष्ठावान कार्यकर्त्ता तैय्यार किए।

९ अगस्त १९५२ ई० को कलकत्ता में आप का परलोक गमन हुआ। अपने अदम्य जीवट एवं प्रशंसनीय देशभक्ति के लिए आप सदा स्मरण किए जायेंगे। •

प्रेमरतन बागड़ी

आप का जन्म १ अप्रैल १९२० ई० को कलकत्ता में हुआ। सोहनलाल बागड़ी आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से



बी. कॉम., एल. एल. बी. की उपाधि प्राप्त कर आप कलकत्ता उच्च न्यायालय के एडवोकेट बने। कालान्तर में इंजीनियरिंग उद्योग से आप सम्बद्ध हो गए। भरतिया इलेक्ट्रिक स्टील, टेक्समेको, कलकत्ता स्टील आदि प्रसिद्ध संस्थानों के आप शीर्ष अधिकारी अथवा निदेशक रह चुके हैं। आप इंजीनियरिंग निर्यात सम्वर्द्धन समिति के संस्थापक सदस्य, इंजीनियरिंग एसोसियेशन आफ इण्डिया के अध्यक्ष, स्टील री-रोलिंग मिल्स एसोसियेशन आफ इण्डिया के उपाध्यक्ष तथा इण्डियन चेम्बर आफ कामर्स प्रभृति विविध व्यावसायिक संगठनों की कार्यकारिणी के सदस्य रह चुके हैं। भारत सरकार द्वारा नियुक्त इंजीनियरिंग वेज बोर्ड के आप सदस्य रहे। औद्योगिक विवाद अधिनियम तथा बोनस अधिनियम पर आप ने दो वृहद ग्रन्थों की रचना की है। वर्तमान में आय कर पर एक विशद ग्रन्थ की रचना में आप संलग्न हैं।

सामाजिक कार्यों में आप की अभिरुचि है। ज्वालाप्रसाद भरतिया चेरिटबल ट्रस्ट, माहेश्वरी सभा ट्रस्ट, गोरखनाथ मन्दिर ट्रस्ट आदि के आप ट्रस्टी हैं। माहेश्वरी विद्यालय तथा माहेश्वरी बालिका विद्यालय के आप सभापति रह चुके हैं

आप प्रतिभाशाली तथा शिक्षानुरागी समाजसेवी हैं। •

नरनारायण हरलालका

आप का जन्म ८ जनवरी १९२८ ई० को कलकत्ता में हुआ। गोविन्द हरलालका आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं।



शैक्षणिक तथा सार्वजनिक कार्यों में आप का प्रबल अनुराग है। रामरिखदास हरलालका स्कूल, जीजीया बाई देवी हरलालका स्कूल

तथा रामरिखदास हरलालका अस्पताल के आप संस्थापक सदस्य हैं। आप मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा कोश के ट्रस्टी, भारतीय संस्कृति संसद के अध्यक्ष, बालीगंज शिक्षा सदन के मन्त्री, भारतीय भाषा परिषद एवं ज्ञान भारती की कार्यकारिणी के सदस्य हैं। भारत स्काउट्स एण्ड गाइडस्, विकास (भ्रमण विभाग) आदि अनेक संस्थाओं के आप सदस्य हैं।

आप सफल व्यवसायी तथा कर्मठ शिक्षाप्रेमी हैं। •

भोमराज बैद

आप का जन्म आषाढ़ शुक्ला १५ सम्वत् १९८७ को लाडनूं में हुआ। महालचन्द बैद आप के पिता थे। वर्तमान में कलकत्ता महानगरी में आप रेडीमेड वस्त्रों के व्यवसाय में संलग्न हैं।



आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शारदा नगर के व्यवस्था प्रमुख हैं। विश्व हिन्दू परिषद की पश्चिम कलकत्ता जिला समिति के आप मन्त्री हैं। परिषद की ओर से गंगासागर मेले पर सेवा-शिविर के आप प्रमुख रहते हैं। कुम्हारटोली सेवा समिति के आप कर्मठ कार्यकारिणी सदस्य हैं। समिति द्वारा बाढ़-राहत कार्य एवं आँख-आपरेशन कैम्प के आप प्रमुख रह चुके हैं।

आप धर्मनिष्ठ तथा संगठन-कुशल व्यक्ति हैं। •

राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल

आप का जन्म जौनपुर (उत्तर प्रदेश) में २१ फरवरी १९३५ ईस्वी को हुआ। सम्पादकाचार्य पं० अम्बिका प्रसाद शुक्ल आप के पिता थे। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से बी.ए., एल-एल. बी. की उपाधि प्राप्त कर आप कलकत्ता आ कर वकालत करने लगे।



बड़ाबाजार कांग्रेस कमेटी के आप सक्रिय सदस्य हैं। पश्चिम बंग हिन्दी प्रचार समिति के तत्वावधान में राष्ट्रभाषा प्रसार में आप संलग्न हैं। 'विश्वदूत' साप्ताहिक पत्र का आप सम्पादन कर रहे हैं। 'क्रूशियल जंक्चर' पुस्तक आपने अंग्रेजी में लिखी है। •

रामानन्द रुस्तगी

आप का जन्म १३ जुलाई १९४२ ई० को हुआ। रामकुमार रुस्तगी आप के पिता थे। बाड़दोद ग्राम (अलवर) के आप मूल निवासी हैं। बी. कॉम., एफ. सी. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप कलकत्ता महानगर में चार्टर्ड एकाउन्टेंट के रूप में उद्योग रत हैं। इंस्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेंटस् आफ इंडिया की पूर्वांचल क्षेत्रीय समिति के आप अध्यक्ष हैं। मर्चेण्टस् चेम्बर आफ कामर्स के आप सदस्य हैं।

सार्वजनिक सेवा तथा जातीय उत्थान में आप की अभिरुचि है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप सक्रिय सदस्य हैं। बांगला देश

सीमांत पर राहत कार्य तथा १९७८ ई० में पश्चिम बंगाल में आई अभूतपूर्व बाढ़ के



दौरान संघ के तत्वावधान में आप ने बड़ी लगन से पीड़ितों की सेवा की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं योगक्षेम के आप सक्रिय कार्यकर्त्ता हैं। पूर्वांचल कल्याण आश्रम के सहसचिव के रूप में इसे व्यापक आधार प्रदान करने हेतु आप प्रयत्नशील हैं।

लायन्स क्लब आफ कलकत्ता (ग्रेटर) के आप सभापति रह चुके हैं। वर्त्तमान में चौहाटी ग्राम (२४ परगना) स्थित लायन्स क्लिनिक की व्यवस्था में आप सहयोग कर रहे हैं।

आप उत्साही एवं प्रतिभावान सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

श्यामसुन्दर गोयनका

आप का जन्म २८ दिसम्बर १९४२ ई० को कलकत्ता में हुआ। सांवलराम गोयनका आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम., एल-एल. बी. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप ने कलकत्ता उच्च न्यायालय से एडवोकेट तथा हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग से विशारद की उपाधि प्राप्त की। वर्तमान में आप वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं।

अपने क्षेत्र की जटिल समस्याओं के समाधान हेतु आप अनवरत प्रयत्नशील हैं। ओजपूर्ण वक्ता तथा सक्रिय कार्यकर्त्ता के रूप में आप जन-सामान्य में लोकप्रिय हैं। राष्ट्रवादी राजनीति में आप की दृढ़ आस्था है। जनसंघ प्रतिनिधि के रूप में कलकत्ता नगर निगम के आप १९६५ एवं १९६९ ई० में पार्षद निर्वाचित हुए। अपनी प्रतिभा एवं कर्मठता से आप नगर निगम की स्थायी शिक्षा समिति के अध्यक्ष तथा जल-मल



प्रदाय प्राधिकरण के सदस्य बने। वर्त्तमान में आप नगर निगम की जोड़ाबागान क्षेत्रीय सलाहकार समिति के मनोनीत सदस्य हैं। भारतीय जनता पार्टी के आप अग्रणी कार्यकर्त्ता हैं।

बड़ाबाजार क्षेत्र की प्रमुख सामाजिक तथा सार्वजनिक सेवा संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। कलकत्ता वेलफेयर सोसाइटी तथा लायन्स क्लब आफ कलकत्ता (डलहौसी) के आप अध्यक्ष रह चुके हैं।

विनम्र, प्रबुद्ध एवं कर्त्तव्य-परायण समाजसेवी के रूप में आप प्रख्यात हैं। •

जगदीश प्रसाद सराफ

आप का जन्म २० सितम्बर १९२९ ई० को रतननगर में हुआ। महादेव प्रसाद सराफ आप के पिता थे। वर्तमान में कलकत्ता महानगर में आप विद्युत उपकरणों के निर्माता तथा विक्रेता हैं।

धार्मिक कार्यों में आप की विशेष प्रवृत्ति है। आप कलकत्ता पिंजरापोल सोसाईटी के अर्थ मन्त्री, श्री धर्मसांड सहायक समिति तथा श्री सनातनधर्म अग्रवाल सभा के उपमन्त्री, अग्रसेन स्मृति भवन तथा सनातनधर्म प्रचार



सभा के कोषाध्यक्ष, कुम्हारटोली सेवा समिति के उपाध्यक्ष, बाबा कालीकमलीवाला पंचायत क्षेत्र तथा श्री धोली सती मन्दिर कमेटी की कार्यकारिणी के सदस्य हैं।

अपनी जन्मस्थली के विकास हेतु आप सतत् उद्यमी हैं। आप रतननगर परिवार के अध्यक्ष, रतननगर नवजीवन पुस्तकालय के उपाध्यक्ष, रतननगर पिंजरापोल समिति तथा रतननगर सहायक समिति के मन्त्री, गांधी बाल विद्या मन्दिर के ट्रस्टी हैं।

आप दृढ़ आस्थावान तथा उदार सेवा-निष्ठ कार्यकर्त्ता हैं। •

स्व. रामनिरंजन मुरारका

आप का जन्म पटना में १८६४ ई० में हुआ। अर्थोपार्जन हेतु आप कलकत्ता आ गए। कालक्रम में गल्ला, कपड़ा तथा तेल का व्यवसाय आप ने प्रारंभ किया। शीघ्र ही अपनी व्यावसायिक दूरदर्शिता से अविभाज्य भारत (बर्मा एवं श्रीलंका सहित) में आपने ४०० दूकानें स्थापित कर लीं। सुप्रसिद्ध रंग फैक्टरी – 'मुरारका पेण्टस् एण्ड वार्निश वर्क्स' की १९२० ई० में आप ने स्थापना की।

अपार धनोपार्जन के साथ आप ने मुक्त-हस्त दान भी दिया। धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों में आप सदैव तत्पर रहते थे। श्री विशुद्धानन्द मारवाड़ी हास्पिटल तथा चित्तरंजन हास्पिटल को आप ने उदारता पूर्वक आर्थिक सहायता प्रदान की। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी को आप ने गोचर भूमि प्रदत्त की।

आप ने वृन्दावन में भजनाश्रम एवं धर्मशाला, नैमिषारण्य में धर्मशाला, काशी एवं नवलगढ़ में औषधालय, पटना में संस्कृत कालेज का निर्माण कराया। ६७ वर्ष की उम्र में १९३१ ई० में आप गोलोकवासी हुए। अपनी विचक्षण व्यावसायिक प्रतिभा तथा श्लाघनीय दानशीलता से आप भावी पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बन गए। •

घनश्याम दास बेरीवाल

आप का जन्म ४ नवम्बर १९३० ई० को बेरी (रोहतक) में हुआ। सुप्रसिद्ध व्यवसायी माईधन बेरीवाला आप के पिता थे। प्रारंभ में आप पैतृक जूट ब्रोकर फर्म 'जयलाल हरगुलाल' से सम्बद्ध रहे। कालान्तर में लौह उद्योग में आप ने प्रवेश किया। वर्तमान में



लिलुआ, कल्याणी एवं फरीदाबाद में आपके कारखाने हैं।

प्राचीन भारतीय संस्कृति तथा सनातन

धर्म में आप की दृढ़ आस्था है। प्रारम्भ से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप कर्मठ सदस्य हैं। विश्व हिन्दू परिषद, कल्याण आश्रम, हिन्दू सहायता समिति आदि विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी के रूप में जातीय उत्थान में आप महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। वस्तुहारा सहायता समिति तथा कन्या-कुमारी शिला स्मारक समिति के आप सक्रिय सदस्य हैं।

कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के आप उपाध्यक्ष हैं। महानगर की विभिन्न सामाजिक तथा सार्वजनिक संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं।

राजनीति में राष्ट्रवाद के आप प्रबल पक्षधर हैं। भारतीय जनसंघ एवं जनता पार्टी से आप उन के स्थापना काल से ही सक्रिय रूप में सम्बद्ध रहे। वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के आप वरिष्ठ सदस्य हैं।

आप सफल उद्योगपति तथा समर्पित समाजसेवी हैं। ●

रामलाल मेहरोत्रा

आप का जन्म ९ नवम्बर १९३१ ई० को कलकत्ता में हुआ। प्रसिद्ध नाट्यसेवी हीरालाल मेहरोत्रा आप के पिता थे। इण्टर



मीडिएट तक शिक्षा प्राप्त कर आप पैतृक वस्त्र-व्यवसाय में संलग्न हो गए। १९६१ ई० में आप ने 'ज्ञान भारती' प्रकाशन संस्थान की स्थापना की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप सक्रिय कार्यकर्त्ता हैं। १९६५ ई० से ही आप नागरिक सुरक्षा में पोस्ट वार्डेन हैं तथा भारत-पाक युद्ध में सराहनीय योगदान के लिए राष्ट्रपति पदक से अलंकृत हुए। आप विश्व हिन्दू परिषद की उत्तर-पश्चिम कलकत्ता शाखा के कार्यकारिणी सदस्य हैं तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बड़ाबाजार शाखा के संस्थापक-उपाध्यक्ष रह चुके हैं। हनुमान मन्दिर के शिक्षण संस्थान के संयोजक तथा साहित्य अनुसन्धान केन्द्र के आप संस्थापक-कार्यकारिणी सदस्य हैं। हनुमान मन्दिर से प्रकाशित साहित्य के सम्पादन तथा प्रकाशन में आप का उल्लेखनीय योगदान रहा। सारस्वत-खत्री विद्यालय की कार्य-कारिणी के आप सदस्य हैं। इस वर्ष से इस में माण्टेसरी पद्धति से नर्सरी शिक्षा प्रारम्भ करवाने में आप की सक्रिय भूमिका रही।

आप सर्जनात्मक शिक्षानुरागी व्यक्ति हैं। ●

दाऊदयाल कोठारी

आप का जन्म ५ दिसम्बर १९३४ ई० को कलकत्ता में हुआ। गोपाल दास कोठारी के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप कागज एवं होजियरी उद्योग में संलग्न हैं। आप फेडेरेशन आफ होजियरी मेन्युफेक्चरर्स एसोसियेशन आफ इण्डिया (बम्बई) तथा पश्चिम बंगाल होजियरी एसोसियेशन के अध्यक्ष रह चुके हैं। टेक्सटाईल कमिश्नर द्वारा स्थापित होजियरी समिति तथा वस्त्र निर्यात सम्वर्द्धक समिति के आप सदस्य हैं। फिक्की तथा भारत चेम्बर आफ कामर्स की कार्यकारिणी के आप सदस्य हैं। होजियरी उद्योग के सम्वर्द्धन हेतु आप विश्व भ्रमण कर चुके हैं।

सार्वजनिक सेवा कार्य में आप की प्रवृत्ति है। रोटरी क्लब के आप सक्रिय सदस्य हैं। रेड क्रास, सेंट जान एम्बुलेंस एवं मूक-बधिर शिक्षा से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं।

आप सफल व्यवसायी तथा कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति हैं। ●

मोतीलाल सोनी

आप का जन्म २४ सितम्बर १६३४ई० को हुआ। श्रीनारायण सोनी के आप पुत्र हैं। इंस्टीच्यूट आफ जूट टेक्नोलाजी से आप ने ससम्मान उपाधि प्राप्त की। इस इंस्टीच्यूट के भूतपूर्व छात्र संघ के आप अध्यक्ष एवं मन्त्री रह चुके हैं। कालान्तर में आप इंस्टीच्यूट द्वारा प्रश्नकर्त्ता तथा परीक्षक भी नियुक्त हुए। आप इण्डियन जूट इण्डस्ट्रीज रिसर्च इंस्टीच्यूट की कार्यकारिणी के सदस्य तथा टेक्सटाईल एसोसियेशन आफ इण्डिया के एसोसियेट सदस्य हैं।



अपनी बहुमुखी प्रतिभा से आप बर्ड एण्ड हीलगर्स समूह की जूट मिलों के सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी बने। वर्तमान में जनरल इण्डस्ट्रियल सोसाइटी के जूट विभाग के आप अध्यक्ष हैं। जूट उद्योग के सिलसिले में आप ने समग्र विश्व की यात्रा की है।

सांस्कृतिक संस्था 'योगक्षेम' के संस्थापकों में आप भी हैं। इण्डियन लाईफ सेविंग सोसाइटी के आप सदस्य हैं। ●

देवरतन डागा

आप का जन्म चैत्र बदी ७ सम्वत् १९९३ को कलकत्ता में हुआ। छगनलाल डागा आप के पिता थे। बीकानेर विश्वविद्यालय से इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप कलकत्ता आ गए। वर्तमान में आप विद्युत उपकरणों के व्यवसाय में संलग्न हैं। दी कलकत्ता इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसियेशन के आप कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं।

जातीय उत्थान तथा धार्मिक सेवा कार्यों में आप की अनुरक्ति है। आप माहेश्वरी सभा ट्रस्ट के ट्रस्टी; राजस्थान नवयुवक क्लब, गवरजा माता हंसपुकर तथा डागा भाईया के सभापति; माहेश्वरी क्लब, माहेश्वरी विद्यालय तथा नागरिक स्वास्थ्य संघ के मन्त्री रह चुके हैं। आप लायंस क्लब आफ कलकत्ता (पश्चिम) के सह-कोषाध्यक्ष, गोरखनाथ समिति के संयुक्त मन्त्री, माहेश्वरी पुस्तकालय के उपमन्त्री तथा सूरदास पंचशती समारोह समिति के संस्थापक सदस्य भी रह चुके हैं।

आप उदार एवं कर्त्तव्यनिष्ठ समाजसेवी हैं। ●

शिवकुमार नोपानी

आप का जन्म १२ नवम्बर १६३८ ई० को कलकत्ता में हुआ। सागरमल नोपानी आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप ने एसकेज प्रिन्टर्स की स्थापना की। साहित्यिक ग्रन्थों का सुरुचिपूर्ण मुद्रण आपकी विशेषता है।

प्रारम्भ से ही जातीय उत्थान में आपकी अभिरुचि है। माहेश्वरी सभा एवं इससे सम्बद्ध संस्थाओं से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं। माहेश्वरी पुस्तकालय की आन्तरिक सुव्यवस्था से ले कर धन-संग्रह तक प्रत्येक

कार्य में आप ने रचनात्मक सहयोग प्रदान किया है। इसकी हीरक जयन्ती स्मारिका के सम्पादन में आप का विशेष योगदान रहा।

भारतीय प्राच्य विद्या पर शोध में आप संलग्न हैं। आप के लेख पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं। आकाशवाणी से आप की साहित्यिक वार्त्ताएं भी प्रसारित हुई।

आप विनम्र एवं मूक समाजसेवी हैं। 'चाचा' के उपनाम से आप लोकप्रिय हैं। ●

स्व. रावतमल नोपानी

सुविख्यात फर्म 'दौलतराम रावतमल' के आप संचालक थे। सार्वजनिक हित में कार्य करने की आप में विशेष प्रवृत्ति थी। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के मंत्री के रूप में दैवीय (बाढ़/अकाल) विपत्तियों से पीड़ित लोगों की मदद के लिए आप बड़ी तत्परता से सहयोग प्रदान करते थे।



अपने शिक्षानुराग के लिए आप प्रसिद्ध थे। आप श्री दौलतराम नोपानी विद्यालय के संस्थापकों में थे। रांची स्थित बहुचर्चित 'विकास' विद्यालय की स्थापना में आप का प्रमुख योगदान रहा।

अग्रणी शिक्षाप्रेमी तथा सेवानिष्ठ व्यक्ति के रूप में आप याद किए जायेंगे। ●

स्व. शिवकृष्ण भट्टड़

आप कुशल व्यवसायी एवं दूरदर्शी संगठनकर्त्ता थे। सुप्रसिद्ध हुकमचन्द जूट मिल (नैहट्टी) के आप सर्वेसर्वा थे। भारत चेम्बर आफ कामर्स के सभापति के रूप में इसका स्वरूप व्यापक करने में आप की सराहनीय भूमिका रही।



शिक्षा के प्रचार-प्रसार हेतु आप सदैव मुक्त-हस्त सहयोग देते थे। श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के तत्वावधान में १७ मई १९३४ ई० को महात्मा गांधी रोड में स्थापित विद्यालय का आपने उद्घाटन किया। आप इसके सभापति बने एवं काफी अनुदान भी दिया।

आप अग्रणी समाजसेवी के रूप में प्रख्यात थे। ●

स्व. रामकृष्ण मोहता

आप माहेश्वरी सभा के संस्थापकों में थे। कालक्रम में इसके सभापति भी बने। जुगल



किशोर बिड़ला के सहयोग से आप ने सभा की चतुर्मुखी उन्नति हेतु कार्य किया। आपके

विशेष प्रयास से १९२० ई० की विजयादशमी पर बलदेव मंदिर में हुई बैठक में ४ लाख १७ हजार का चंदा लिखा गया। माहेश्वरी पुस्तकालय की स्थापना के लिए गठित उप-समिति के आप सदस्य थे। समाज सुधार हेतु आप सदैव सचेष्ट रहते थे।

माहेश्वरी समाज के उत्थान में अपने योगदान के लिए आप स्मरणीय रहेंगे। ●

स्व. गोरधन दास बिन्नानी

आप शिक्षानुरागी तथा सेवाभावी व्यक्ति थे। माहेश्वरी समाज के उत्थान के लिए आपने सराहनीय कार्य किए। मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के आप मंत्री बने। पाथुरिया घाट स्थित बिन्नानी विद्यालय की आपने स्थापना की।

आप दृढ़व्रती तथा उत्कट समाजसेवी थे। ●

रामनिवास बांगड़

आप का जन्म भादवा बदी १३ सम्वत् १९६२ को डीडवाना में हुआ। किशनलाल बांगड़ आप के पिता थे। वर्तमान में कलकत्ता महानगर के प्रतिष्ठित व्यवसायियों में आप की गणना होती है।



आप दृढ़ आस्थावान तथा परम वैष्णव हैं। मन्दिरों के जीर्णोद्धार, गोशालाओं की सहायता आदि में आप सदैव उदारतापूर्वक दान देते हैं। आप ने स्ट्राण्ड रोड स्थित जगन्नाथ मन्दिर का जीर्णोद्धार करवाया और वहाँ पेय जल आपूर्ति की व्यवस्था की। आप ने इसी मन्दिर के बांकुड़ा समीपस्थ मुख्य स्थान की जमीन को खेती योग्य बनवाया और गोबर गैस प्लाण्ट बैठवाया। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी, काशी विश्वनाथ सेवा समिति, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी, माहेश्वरी सभा, श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय आदि सार्वजनिक संस्थाओं को आप नियमित अनुदान देते हैं।

अपने जन्मस्थान डीडवाना के विकास में आप का प्रबल अनुराग है। आप ने वहाँ प्राथमिक विद्यालय के लिए भवन का निर्माण कराया तथा गोशाला में स्वयं खड़े रह कर विकास योजनाओं को पूर्ण करवाया। डीडवाना के वैष्णव मन्दिरों के जीर्णोद्धार तथा सार्वजनिक संस्थाओं के विकास हेतु आप ने तन-मन-धन से सहयोग दिया।

आप सहृदय, धर्मपरायण तथा निरभिमानी समाजसेवी हैं। ●

ताराचन्द साबू

आप का जन्म श्रावण कृष्णा द्वादशी सम्वत् १९६४ को बहल (हरियाणा) में हुआ। शंकरमल आप के पिता थे। आप विश्वेश्वरलाल साबू के दत्तक पुत्र बने। पिलानी से इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण



कर आप सुप्रसिद्ध उद्योग समूह 'बिड़ला ब्रदर्स' में सेवारत हो गए। अपनी प्रतिभा

तथा कर्मठता से आप बिड़ला जूट मिल, सतना सीमेंट, सौराष्ट्र केमिकल्स, हिन्दुस्तान एल्युमिनियम आदि के निदेशक बने।

आप विनम्र, आडम्बरहीन तथा दृढ़ आस्थावान पुरुष हैं। तीर्थयात्रा में आप की विशेष रुचि है। सामाजिक कुरीतियों, यथा दहेज प्रथा आदि के आप सख्त विरोधी हैं। रामकृष्ण मिशन के आप कार्यकारिणी सदस्य हैं। विशुद्धानन्द अस्पताल से भी आप सम्बद्ध रहे। एन. के. साबू कामर्स कालेज (पिलानी) के आप अध्यक्ष हैं।

आप सहृदय एवं कर्मठ व्यक्ति हैं। •

स्व. चौथमल सराफ

आप का जन्म २३ जुलाई १६०६ ई० को बोगड़ा (सम्प्रति बांगला देश) में हुआ। बंशीधर सराफ के आप पुत्र थे। उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु आप कलकत्ता आ गए। कानून में स्नातक की उपाधि प्राप्त कर आप ने आय कर में वकालत प्रारम्भ की। अपनी कुशाग्रता तथा कर्मठता से आप की गणना प्रमुख आय कर विशेषज्ञों में होने लगी। आप मर्चेण्टस् चेम्बर के सभापति बने तथा भारत चेम्बर के वरिष्ठ सदस्य रहे।

छात्रावस्था से ही सामाजिक कार्यों में आप ने सोत्साह भाग लिया। 'मारवाड़ी छात्र संघ' की स्थापना तथा 'मारवाड़ी'



(त्रैमासिक) पत्र के प्रकाशन में आप ने विशेष योग दिया। 'अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन' की स्थापना में आप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कालान्तर में आप ने 'राजस्थानी रिसर्च सोसायटी' तथा सांस्कृतिक संस्था 'उदयन' की स्थापना की। सेठ आनन्दीराम जयपुरिया कालेज, श्री दौलतराम नोपानी विद्यालय आदि शिक्षण संस्थाओं की प्रबन्ध समिति के आप वरिष्ठ सदस्य थे।

आप बड़ाबाजार अंचल की प्रमुख सार्वजनिक संस्थाओं से घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध थे। नागरिक स्वास्थ्य संघ के सभापति के रूप में आप ने इसे व्यापक आधार प्रदान किया। काशी विश्वनाथ सेवा समिति तथा बाबा काली कमलीवाला पंचायत क्षेत्र के आप सक्रिय सदस्य रहे। आप प्रखर वक्ता तथा सुविज्ञ लेखक थे।

आप का निधन ३० अक्टूबर १६७० ई० को हो गया। अग्रणी विधिवेत्ता तथा प्रबुद्ध समाजसेवी के रूप में आप स्मरणीय रहेंगे। •

बद्रीनारायण झँवर

आप का जन्म ३ नवम्बर १६२० ई० को सूरतगढ़ (राजस्थान) में हुआ। पूर्वी



भारत आप के व्यवसाय का मुख्य केन्द्र है। प्लाईवुड मर्चेण्टस एसोसियेशन के आप सभापति रह चुके हैं।

१६३४ ई० के विदेशी वस्त्र बहिष्कार तथा १६४२ ई० के भारत छोड़ो आन्दोलनों में आप ने सक्रिय भाग लिया। रायगंज

(दिनाजपुर) यूनियन बोर्ड तथा म्युनिसिपल बोर्ड के आप सदस्य रह चुके हैं। आप पूर्वांचल माहेश्वरी सभा के प्रधान मन्त्री, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के विभागीय मन्त्री तथा लायंस क्लब आफ कलकत्ता (बालीगंज) के कोषाध्यक्ष भी रह चुके हैं। अनेक सार्वजनिक सेवा संस्थाओं के आप आजीवन सदस्य हैं।

आप सात्विक तथा उद्यमी व्यक्ति हैं।●

सरला बिड़ला

आप का जन्म १६२३ ई० में अकोला (महाराष्ट्र) में हुआ। बरार-केसरी बृजलाल बियाणी आप के पिता थे। आप का विवाह सुप्रसिद्ध उद्योगपति तथा समाजसेवी बसन्त कुमार बिड़ला के साथ हुआ।



महादेवी बिड़ला शिशु विहार तथा अशोका हॉल विद्यालयों की स्थापना में आप का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बिड़ला अकादमी आफ आर्ट एण्ड कलचर भवन का निर्माण आप के दिग्दर्शन में हुआ। वैदिक धर्म में आप की प्रबल आस्था है। धार्मिक संस्थाओं को आप उदारतापूर्वक सहायता देती हैं। कभी कोई याचक आपके यहाँ से निराश हो कर नहीं लौटता।

आप प्रतिभावान तथा दूरदर्शी रमणी हैं। बिड़ला समूह के अनेक उद्योगों में आप निदेशक के रूप में अपनी कार्य-कुशलता का परिचय दे रही हैं। आप ने सम्पूर्ण विश्व का विशद् भ्रमण किया है। आप भारत-इथोपिया सूती वस्त्र उद्योग परियोजना की संस्थापक-उपाध्यक्षा हैं। अदिस-अबाबा (इथोपिया) में आप ने 'बिड़ला पेड्रियाटिक क्लिनिक' की स्थापना की है। इथोपिया के सम्राट हेल सिलासी द्वारा आप 'मेनालिक द्वितीय पदक' के सर्वोच्च अलंकरण से सम्मानित की गई हैं। तैवान की साहित्य अकादमी ने आपको १६६६ ई० में 'शिक्षाविद' की उच्चतम उपाधि से विभूषित किया। आप अन्तर्राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (न्यूयार्क) तथा टेम्पल आफ अंडरस्टैंडिंग (वाशिंगटन) की वरिष्ठ सदस्या हैं।

उद्योग, शिक्षा एवं संस्कृति के उन्नयन में गौरवमय योगदान हेतु आप सुविख्यात हैं।●

नन्दकिशोर जालान

आप का जन्म १६ सितम्बर १६२४ ई० को कलकत्ता में हुआ। जुहारमल जालान आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. की उपाधि प्राप्त कर आप व्यवसाय में संलग्न हो गए। कलकत्ता ट्रेडर्स एसोसियेशन के आप अध्यक्ष रह चुके हैं।



छात्रावस्था से ही सर्जनात्मक कार्यों में आप की प्रवृत्ति है। मारवाड़ी छात्र संघ के आप सभापति बने। टाला पार्क के पास एक मकान तथा बगीचा भाड़े पर ले कर आप ने राजस्थान छात्र निवास की

स्थापना की। पोद्दार छात्र-निवास तथा हलवासिया छात्र-निवास के आप मन्त्री रह चुके हैं। आप ने 'प्रिंस क्लब' की स्थापना की जिसके तत्वावधान में फुटबाल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

सामाजिक कार्यों में आप का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आप अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रधान मन्त्री रह चुके हैं, वर्तमान में सभापति हैं। विशुद्धानन्द सरस्वती मारवाड़ी हास्पिटल के संयुक्त मन्त्री के रूप में आप ने इसकी व्यवस्था में सुधार किया।

अपनी रचनात्मक भूमिका तथा नेतृत्व क्षमता के लिए आप समाज में सुविख्यात हैं।●

स्व. शोभाचन्द सुराणा

आप का जन्म ४ अक्टूबर १९२५ ई० को कलकत्ता में हुआ। पन्नालाल सुराणा के आप पुत्र थे। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप ने वस्त्र-व्यवसाय में दलाली से जीवन प्रारम्भ किया। कालान्तर में आप ने रैफेल आर्ट प्रेस की स्थापना की।

आचार्य तुलसी के प्रति आपकी प्रगाढ़ श्रद्धा थी। मित्र परिषद के आप संस्थापक थे तथा जीवन पर्यन्त इसके अध्यक्ष रहे। मित्र परिषद के विविध सेवा विभागों की स्थापना में आप का उल्लेखनीय योगदान रहा।

१ जुलाई १९७७ ई० को कलकत्ता में आप का आकस्मिक निधन हो गया। मित्र परिषद ने आप की पुण्य स्मृति में ५ लाख रुपये से एक चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की तथा आप के जीवन पर 'कथा कर्मयोगी की' पुस्तक इस वर्ष प्रकाशित की है।

आप दृढ़ संकल्पी तथा निःस्पृह समाजसेवी के रूप में प्रख्यात रहेंगे। ●

राधेश्याम सराफ

आप का जन्म ८ नवम्बर १९२५ ई० को सुजानगढ़ (राजस्थान) में हुआ है। मुरलीधर सराफ आप के पिता थे। कलकत्ता से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप पैतृक आर्किटेक्चर उद्योग में संलग्न हो गए।

महात्मा गांधी के आह्वान पर आप ने दिल्ली आ कर १९४२ ई० के 'भारत छोड़ो' आन्दोलन में भाग लिया। भारत विभाजन के पश्चात् शरणार्थियों की सेवा में आप ने तन-मन-धन से सहायता की।



आप सनातन धर्म में दृढ़ आस्थावान हैं। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी की लिलुआ शाखा के उपाध्यक्ष रहते हुए आप ने सांड शाला एवं नवीन भवन का निर्माण करवाया। राजस्थान में १९७५ ई० तथा १९७९ ई० के भीषण सूखों के दौरान आप ने सुजानगढ़ तहसील में रियायती मूल्य पर खाद्यान्न वितरण तथा गोवंश की रक्षा हेतु चारे का प्रबन्ध किया। इसके लिए आप ने कलकत्ता में विपुल मात्रा में अर्थ-संग्रह किया तथा स्वयं सूखा-ग्रस्त क्षेत्रों में रह कर राहत कार्य का संचालन भी किया।

नागरिक स्वास्थ्य संघ तथा सोसाइटी बेनेफिट सर्किल के चक्षु चिकित्सा शिविरों में आप सक्रिय सहयोगी रहे। साहित्यिक जगत् में आप का अनुराग है। ज्योतिष शास्त्र का आप को अच्छा ज्ञान है।

अपनी जन्मस्थली के उन्नयन हेतु आप सचेष्ट रहते हैं। अपने पिता की पुण्य स्मृति

में आप ने वहाँ विवेकानन्द छात्रावास का निर्माण करवाया है।

आप धर्मनिष्ठ एवं सेवापरायण सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। ●

नथमल केड़िया

आप का जन्म २२ नवम्बर १९२५ ई० को कलकत्ता में हुआ। दुर्गादत्त केड़िया के आप पुत्र हैं। वर्त्तमान में आप वस्त्र-व्यवसाय में संलग्न हैं।



सामाजिक तथा सार्वजनिक कार्यों में आप की रुचि है। आप मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के विभागीय मन्त्री तथा केड़िया जातीय सभा के मन्त्री हैं। शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक कार्यों में आप का प्रबल अनुराग है। ज्ञान भारती विद्यालय तथा सांस्कृतिक संस्था अर्चना के आप संस्थापक मंत्री रह चुके हैं। श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के मन्त्री के रूप में आप ने इसकी व्यवस्था सुचारु बनाने में योग दिया।

अपनी पैतृक स्थली फतेहपुर-शेखावाटी में स्थित 'सरस्वती पुस्तकालय' के आप सभापति हैं। अपनी संगठन प्रतिभा तथा उत्कट सेवा भावना के लिए आप विख्यात हैं। ●

तोलाराम जालान

आप का जन्म २३ नवम्बर १९२७ ई० को कलकत्ता में हुआ। सुप्रसिद्ध उद्योगपति तथा लब्धप्रतिष्ठ समाजसेवी मोहनलाल जालान आप के पिता थे। वर्त्तमान में आप अपने सुविशाल पैतृक उद्योग समूह के संचालन में संलग्न हैं।



आप उत्साही एवं लगनशील सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। आप सूरजमल जालान स्मृति ट्रस्ट के प्रबन्ध ट्रस्टी हैं। इससे सम्बद्ध संस्थाओं—सूरजमल जालान बालिका विद्यालय, सूरजमल जालान गर्ल्स कालेज, सूरजमल जालान वस्तु भण्डार, सूरजमल जालान पुस्तकालय एवं हनुमान लाइब्रेरी (सलकिया) के आप अध्यक्ष हैं। महानगर की अनेक सार्वजनिक तथा धार्मिक संस्थाओं को आप उदारतापूर्वक सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

आप कुशल उद्योगपति तथा सहृदय समाजसेवी हैं। ●

कन्हैयालाल फुलफगर

आप का जन्म ४ जनवरी १९३१ ई० को कलकत्ता में हुआ। चम्पालाल फुलफगर आप के पिता थे। आप गुलाब बाग जूट मर्चेण्टस एसोसियेशन (पूर्णिया) के मन्त्री रह चुके हैं।

साहित्यिक तथा सामाजिक कार्यों में आप का विशेष अनुराग है। मित्र परिषद के प्रकाशन विभाग के आप मन्त्री रह चुके हैं। वर्तमान में दिनकर शोध संस्थान के आप अध्यक्ष हैं। अनेक स्मारिकाओं तथा स्मृति

ग्रन्थों का आप ने सम्पादन किया है, जिनमें उल्लेखनीय हैं – अरुणिमा, लोकतंत्र (स्मारिकाएं); दिनकर स्मृति ग्रन्थ, महाप्रज्ञ – व्यक्तित्व एवं कृतित्व, दिनकर के पत्र; श्रमण महावीर (अंग्रेजी) में।

आप कर्मठ अन्वेषी तथा साहित्यानुरागी के रूप में विख्यात हैं। •

केशव प्रसाद चमड़िया

आप का जन्म १६ नवम्बर १९२९ ई० को फतेहपुर में हुआ। नथमल चमड़िया आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. की उपाधि प्राप्त कर आप अस्त्र-शस्त्र के व्यवसाय में संलग्न हो गए।

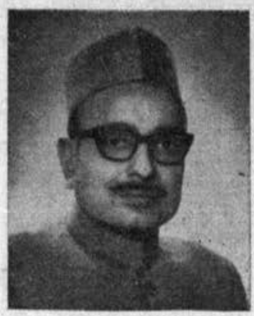


सांस्कृतिक कार्यों में आप की अभिरुचि है। सुप्रसिद्ध नाट्य संस्था 'अनामिका' तथा श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के आप मंत्री रह चुके हैं। आप नार्थ कलकत्ता रायफल क्लब की कार्यकारिणी के सदस्य तथा लायन्स क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट ३२२-बी के जोन चेयरमेन हैं। धार्मिक संस्था 'इस्कॉन' के आप आजीवन सदस्य हैं।

आप सहृदय तथा प्रबुद्ध व्यक्ति हैं। •

राजाराम भिवानीवाला

आप का जन्म १५ जून १९३१ ई० को कलकत्ता में हुआ। बैजनाथ भिवानीवाला आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से एम. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप ने हिन्दी साहित्य सम्मेलन (प्रयाग) से साहित्य रत्न की उपाधि प्राप्त की। आप सूत एवं वस्त्र व्यवसाय में संलग्न हैं। आप भारत चेम्बर आफ कामर्स के सभापति रह चुके हैं तथा 'फिक्की' के कार्यकारिणी सदस्य हैं।



आप सहृदय तथा कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति हैं। आशाराम भिवानीवाला अस्पताल के ट्रस्टी के रूप में आप सुदीर्घ काल से जनसेवा कर रहे हैं। इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी तथा सेंट जान्स एम्बुलेंस एसोसियेशन के आप आजीवन सदस्य हैं।

आप कुशल व्यवसायी तथा उदार सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

ज्योति लाल खत्री

आप का जन्म ३ अक्टूबर १९३४ ई० को कलकत्ता में हुआ। गोपाल दास खत्री आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. कॉम. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप ने दैनिक विश्वमित्र में स्टाफ रिपोर्टर के रूप में जीवन का प्रारम्भ किया। वर्तमान में दामोदर घाटी निगम में आप राजभाषा अधीक्षक हैं।

आप की कहानियां तथा कविताएं पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती हैं। आकाशवाणी से आप की सामयिक वार्ताएं भी प्रसारित होती हैं। सामाजिक कार्यों में

छात्रावस्था से ही आप की रुचि है। बड़ा-बाजार छात्र संघ तथा कलकत्ता खत्री सभा से आप सम्बद्ध रह चुके हैं। आप सारस्वत खत्री संस्कृति परिषद के उपाध्यक्ष हैं।

आप प्रबुद्ध तथा विनम्र कार्यकर्त्ता हैं। ●

नन्दलाल टांटिया

आप का जन्म २५ अगस्त १९३४ ई० को कलकत्ता में हुआ। सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं लब्धप्रतिष्ठ उद्योगपति रामेश्वर टांटिया आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप चाय उद्योग में संलग्न हैं। टी एसोसियेशन आफ इण्डिया के आप अध्यक्ष रह चुके हैं।



आप लोहिया मातृ सेवा सदन, टांटिया हाईस्कूल एवं ज्ञान भारती विद्यालय के ट्रस्टी हैं। भारतीय संस्कृति संसद तथा भारतीय भाषा परिषद से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। आप रामेश्वर टांटिया स्मृति न्यास के प्रबन्ध ट्रस्टी हैं एवं प्रति वर्ष विभिन्न सार्वजनिक संस्थाओं को एक विशाल धनराशि अनुदान में देते हैं। अपने पिता की स्मृति में लैन्सडाउन स्थित रामकृष्ण मिशन को अस्पताल निर्माण हेतु आपने ६० लाख रुपये प्रदान किए हैं।

अपने पिता की स्मृति में सीकर स्थित कल्याण आरोग्य सदन (टी. बी. सेनेटोरियम) को आप ने १०० शैय्या युक्त अस्पताल बनवा कर प्रदत्त किया। सम्प्रति इस संस्था के आप ट्रस्टी एवं अध्यक्ष हैं।

आप सफल व्यवसायी एवं उदारमना समाजसेवी हैं। ●

श्रीचन्द नाहटा

आप का जन्म ६ नवम्बर १९२८ ई० को कलकत्ता में हुआ। कुन्दनमल नाहटा आप के पिता थे। वर्तमान में आप चाय उद्योग में संलग्न हैं। अनेक व्यवसायी संगठनों के आप सक्रिय सदस्य हैं।



धार्मिक तथा सांस्कृतिक कार्यों में आप का प्रबल अनुराग है। आप श्री जैन सभा के अध्यक्ष तथा जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के ट्रस्टी रह चुके हैं।

अपनी पैतृक-स्थली सरदारशहर की संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। आप वहाँ के 'बापा सेवा सदन' के ट्रस्टी, तेरापंथ युवक परिषद तथा माडर्न उच्च प्राथमिक विद्यालय के संरक्षक हैं। अखिल भारतीय अणुव्रत समिति (दिल्ली) के आप अर्थमंत्री रह चुके हैं।

आप उदार एवं धर्मप्राण व्यक्ति हैं। ●

रमाशंकर बागड़ी

आप का जन्म २६ जुलाई १९३७ ई० को बम्बई में हुआ। मंगलचन्द बागड़ी आप के पिता थे। आप कलकत्ता विश्वविद्यालय

से बी.कॉम. की परीक्षा उत्तीर्ण कर व्यवसाय में प्रवृत्त हुए।

जातीय उत्थान तथा सार्वजनिक सेवा में आप का अनुराग है। माहेश्वरी सभा के आप अध्यक्ष रह चुके हैं। अपने कार्यकाल में आप ने माहेश्वरी भवन की विस्तार-योजना पूर्ण करवाई। आपने नागरिक स्वास्थ्य संघ के स्वर्ण जयंती चक्षु आपरेशन कैम्प के सभापति पद का दायित्व सँभाला। श्री विशुद्धानन्द



हास्पिटल (बड़तल्ला) में दन्त-चिकित्सा विभाग प्रारम्भ करवाने के लिए आप ने पूर्ण व्यय-भार सहन किया, साथ ही इसके आड़ी बांसतल्ला स्थित भवन का पूरा एक तल्ला आप के ट्रस्ट के अनुदान से निर्मित हुआ।

आप उदार तथा धर्मनिष्ठ पुरुष हैं। श्री बलदेव गौरजा माता शताब्दी समारोह समिति के आप अध्यक्ष रह चुके हैं।

आप उत्साही तथा कर्मठ समाजसेवी हैं। ●

डॉ. विमल कुमार जैन

आप का जन्म १ जनवरी १९३९ ई० को पिपराईच (गोरखपुर) में हुआ। ऋषभचन्द बैनाड़ा आप के पिता थे। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से बी.एस-सी. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप ने डी. एम.एस. की उपाधि प्राप्त की। वर्तमान में आप होम्योपैथिक चिकित्सक क रुप में कार्यरत हैं। माहेश्वरी सेवा समिति तथा जैन क्लिनिक को आप निःशुल्क सेवा प्रदान कर रहे हैं।

अपनी संगठन-क्षमता तथा कर्मठता से आप श्री दिगम्बर जैन मानस्तम्भ निर्माण समिति के उपमंत्री के रूप में विशेष योगदान कर रहे हैं। श्री बंगाल-बिहार-उड़ीसा तीर्थक्षेत्र कमेटी तथा श्री दिगम्बर जैन नया मंदिर की कार्यकारिणी के आप क्रियाशील सदस्य हैं। धार्मिक पत्र 'जैन जागरण' के आप प्रकाशक हैं।

अपनी सहृदयता तथा कर्त्तव्यनिष्ठा के लिए आप सुविख्यात हैं। ●

जगमोहन डालमिया

आप का जन्म ४ दिसम्बर १९४० ई० को कलकत्ता में हुआ। अर्जुन दास डालमिया आप के पिता थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी. एस-सी. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप जीवन संग्राम में प्रवृत्त हुए। अपनी प्रतिभा तथा उद्यम से आप ने कुशल वास्तु-शिल्पी के रूप में सुयश एवं समृद्धि अर्जित की है।



आप बड़े उत्साही, मिलनसार तथा कर्त्तव्यपरायण व्यक्ति हैं। सामाजिक तथा धार्मिक कार्यों में आप का अनुराग है। आप गीता मन्दिर ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा रेडक्रास सोसाइटी की वित्त समिति के अध्यक्ष हैं।

अपने क्रीड़ानुराग तथा संगठन-क्षमता

से खेल-कूद के क्षेत्र में आप को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त हो गया है। राजस्थान क्लब के सचिव के रूप में आप इसकी सर्वांगीण उन्नति में सतत् प्रयत्नशील हैं। इस वर्ष आप क्रिकेट एसोसियेशन आफ बंगाल के सचिव निर्वाचित हुए हैं।

आप बहुमुखी व्यक्तित्व के धनी तथा कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं। •

राधेश्याम सोनी

आप का जन्म १६४४ ई० में रामगढ़-शेखावाटी में हुआ। बच्छराज सोनी आप के पिता हैं। आप जवाहिरात तथा औषधि व्यवसाय में संलग्न हैं। कलकत्ता मोती व्यवसायी संघ तथा जौहरी बाजार धर्मकांटा एसोसियेशन के आप सचिव रह चुके हैं।

प्रारम्भ से ही सार्वजनिक कार्यों में आप सोत्साह भाग लेते रहे हैं। आप बाल भारती क्लब, आड़ो बांसतल्ला नवयुवक संघ तथा सनातन धर्म विद्यालय छात्र संघ के सचिव



रह चुके हैं। धार्मिक कार्यों में आप को विशेष रुचि है। आप बड़ाबाजार सिविल डिफेन्स क्लब (ताड़केश्वर सेवा) के उप-सभापति, महासती सावित्री (कोटड़ीवाली) मन्दिर प्रबन्ध समिति के मन्त्री तथा कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं। आप बड़ाबाजार लाइब्रेरी के सहमन्त्री बन चुके हैं तथा श्री विशुद्धानन्द हास्पिटल के विभागीय मन्त्री हैं।

आप ओजपूर्ण वक्ता तथा कुशल संगठन-कर्त्ता हैं। वर्त्तमान में भारतीय जनता पार्टी की उत्तर-पश्चिम कलकत्ता शाखा के युवा मोर्चा के आप सभापति हैं।

अपनी मिलनसारिता तथा कर्त्तव्यनिष्ठा के लिए आप सुविख्यात हैं। •

रमेश चंद जैन

आप का जन्म ६ जनवरी १६४८ ई० को कलकत्ता में हुआ। नन्दलाल जैन के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से एम. टेक. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप पैतृक मुद्रण एवं प्रकाशन व्यवसाय में संलग्न हैं।



साहित्यिक तथा सामाजिक कार्यों में आप की रुचि है। आप के मंत्रित्व काल में श्री महावीर पुस्तकालय का स्वर्ण जयन्ती समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का आप ने सम्पादन किया। प्रस्तुत ग्रन्थ के सम्पादन में आप का विशेष योगदान रहा है।

आप स्पष्टवक्ता, कर्त्तव्यनिष्ठ तथा राष्ट्रवादी युवक हैं। भारतीय जनसंघ के वार्ड नं० ४४ के आप मंत्री रह चुके हैं। आपात् काल में आप को शासन की कोपाग्नि का पात्र बनना पड़ा। वर्तमान में भाजपा के आप उत्साही सदस्य हैं।

आप प्रबुद्ध एवं कर्मठ कार्यकर्त्ता हैं। •

सागरमल गुप्त

आप का जन्म १ जुलाई १९५२ ई० को श्रीमाधोपुर (राजस्थान) में हुआ। रामेश्वर लाल गुप्त के आप पुत्र हैं। कलकत्ता विश्व-विद्यालय से बी. कॉम. (आनर्स), एल-एल. बी., एफ. सी. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण कर आप चार्टर्ड एकाउन्टेंट के रूप में कार्यरत हैं।



जातीय उत्थान में आपकी प्रगाढ़ अनुरक्ति है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप सक्रिय सदस्य हैं। आपात्-काल के दौरान संघ पर लगे प्रतिबन्ध के विरुद्ध आपने सत्याग्रह किया। बंगला देश मुक्ति अभियान के समय आप ने बनगांव स्थित संघ के राहत शिविर में सेवा कार्य में योग दिया। भारतीय जनता पार्टी के आप सक्रिय सदस्य हैं।

सांस्कृतिक कार्यों में आप सोत्साह भाग लेते हैं। सेठ सूरजमल जालान पुस्तकालय के आप अनेक वर्ष से मंत्री हैं। आप श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के लेखा परीक्षक हैं।

अपनी जन्मस्थली श्रीमाधोपुर के उन्नयन हेतु आप सतत् उद्यमी हैं। श्री माधोपुर नागरिक परिषद के आप मंत्री हैं।

आप प्रतिभावान तथा कर्मठ युवक हैं। ●

सत्यनारायण होलानी

आप का जन्म आसोज सुदी ८ सम्वत् १९९५ को डीडवाना (राजस्थान) में हुआ। श्रीकिशन होलानी आप के पिता थे। आप कलकत्ता विश्वविद्यालय से वाणिज्य शास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त कर पाट के व्यवसाय में संलग्न हैं।

बाल्यावस्था से ही आप राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ के सक्रिय कार्यकर्त्ता हैं। आप श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के कोषाध्यक्ष हैं।



अपनी जन्मस्थली के उन्नयन में आप की रुचि है। वहाँ की सामाजिक तथा शैक्षणिक संस्थाओं से आप सक्रिय रूप में सम्बद्ध हैं। डीडवाना नागरिक सभा के आप अध्यक्ष हैं।

आप उत्साही, सेवाभावी तथा व्यवहार-कुशल कार्यकर्त्ता हैं। ●

मांगीलाल जैन

आप का जन्म आषाढ़ शुक्ला १४ संवत् १९८८ को हुआ। फूलचन्द जैन के आप पुत्र हैं। बी. कॉम., एफ. सी. ए., विशारद की उपाधि प्राप्त कर आप चार्टर्ड एकाउन्टेंट के रूप में उद्योगरत हैं।

जातीय उत्थान तथा समाज सेवा में आप की रुचि है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आप बाल्यावस्था से ही सक्रिय कार्यकर्त्ता

हैं। वनवासी बन्धुओं के उन्नयन हेतु आप विशेष रूप से सचेष्ट हैं। भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम की अखिल भारतीय कार्य-कारिणी के आप सदस्य हैं। पूर्वांचल कल्याण आश्रम के आप कोषाध्यक्ष हैं।

रोटरी क्लब श्रीरामपुर के आप अध्यक्ष रह चुके हैं। १९७३-७४ ई० में रोटरी क्लब डिस्ट्रिक्ट-३२५ के आप डिस्ट्रिक्ट चैयरमेन बने।

अपनी पैतृक-स्थली चित्तौड़गढ़ के उन्नयन में आप सतत् प्रयत्नशील हैं। मेवाड़ मित्र मण्डल के आप अध्यक्ष रह चुके हैं।

आप प्रबुद्ध एवं उद्यमी समाजसेवी हैं। •

काशी प्रसाद केड़िया

आप का जन्म १९३४ ई० में कलकत्ता में हुआ। देवीलाल केड़िया के आप पुत्र हैं। आप कुशल व्यवसायी हैं। काशीपुर स्माल इंडस्ट्रीज एसोसियेशन के आप क्रियाशील सदस्य हैं।



तरुणावस्था से ही जातीय संगठन तथा सार्वजनिक सेवा में आप की प्रवृत्ति रही। १८ वर्ष की अल्पायु में आप केड़िया सभा के मंत्री बन गए। भारत स्काउट एण्ड गाइड्स के आप सक्रिय सदस्य रह चुके हैं।

सार्वजनिक चिकित्सा क्षेत्र में आप का विशेष अनुराग है। नागरिक स्वास्थ्य संघ के आँख आपरेशन कैम्पों से आप प्रारंभ से ही घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। बड़तल्ला स्ट्रीट स्थित श्री विशुद्धानन्द हास्पिटल के नवीनीकरण में आप का विशेष योगदान रहा। वर्तमान में आप नित्य प्रति इस में रोगियों की सुचारु चिकित्सा की देखभाल करते हैं। इन दोनों चिकित्सा संस्थाओं के सभी पदों पर रह कर आपने अपनी कर्मठता एवं प्रबन्ध-क्षमता का परिचय दिया।

अपने पैतृक ग्राम फतेहपुर में आप ने बच्चों के लिए पाठशाला खुलवाई है।

आप संगठन-कुशल एवं कर्मनिष्ठ समाजसेवी हैं। •

पं. छविनाथ मिश्र

आप का जन्म ३० दिसम्बर १९२६ ई० को ऊँचडीह ग्राम (इलाहाबाद) में हुआ। पं० शिववरण मिश्र आपके पिता थे। हिन्दी, उर्दू, फारसी, बंगला, उड़िया एवं संस्कृत भाषा के आप ज्ञाता हैं। विगत ३७ वर्षों से आप कलकत्ता महानगर में साहित्य-सृजन में संलग्न हैं।

आप तत्व-मर्मज्ञ एवं भाव-प्रवण कवि हैं। आप के दो काव्य संकलन – अंगना फूले कचनार और समय दंश प्रकाशित हो चुके हैं। वर्त्तमान में आप ऋग्वेद की ऋचाओं के हिन्दी गीतान्तर में संलग्न हैं। आप की रचनायें विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में छपती रहती हैं। प्रकाश (दैनिक) एवं नवागत (पाक्षिक) पत्रों के सम्पादन विभाग से आप सम्बद्ध हैं।

बंगला एवं उड़िया भाषाओं की अनेक कृतियों का आपने हिन्दी में अनुवाद किया है। आकाशवाणी तथा दूरदर्शन पर आपकी रचनाएं अनेक बार प्रसारित हो चुकी हैं।

सर्जनात्मक साहित्यकार के रूप में आप सुप्रतिष्ठित हैं। •

रामनिवास ढंढारिया

आप का जन्म २ अक्टूबर १९२२ ई० को रतनगढ़ (राजस्थान) में हुआ । विद्यार्जन हेतु आप कलकत्ता आ गए एवं कालान्तर में जूट व्यवसाय में प्रवृत्त हुए। अपनी दूरदर्शिता एवं प्रतिभा से आप की गणना शीघ्र ही अग्रणी जूट निर्यातकों में होने लगी। व्यवसाय वृद्धि हेतु आपने विदेशों का विशद् भ्रमण किया। आप ने जूट एण्ड गनी रिव्यू तथा आयरन एण्ड स्टील रिव्यू पत्रों का प्रकाशन कर व्यावसायिक समाचार जगत में पहल की।



राजनैतिक कार्यों में आप की रुचि है। आप ओजस्वी वक्ता तथा कुशल संगठनकर्त्ता हैं। भारतीय जनसंघ की कलकत्ता शाखा के आप कोषाध्यक्ष रह चुके हैं।

सनातन धर्म तथा संस्कृति में आप की प्रगाढ़ अनुरक्ति है। श्री राधामाधव संकीर्तन मंडल की स्थापना कर आपने विभिन्न नगरों में इसके सम्मेलन आयोजित करवाये हैं। 'रस-वृन्दावन' मासिक पत्रिका का भी आप प्रकाशन कर रहे हैं।

सांस्कृतिक तथा सार्वजनिक संस्थाओं में आप सदैव सक्रिय रूप से योगदान करते हैं। बड़ाबाजार युवक सभा, नागरिक स्वास्थ्य संघ तथा भारतीय संस्कृति संसद की स्थापना एवं विकास में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। आर्यावर्त प्रकाशन गृह की स्थापना कर आप ने अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक पुस्तकें प्रकाशित करवाई हैं।

आप प्रबुद्ध एवं उद्यमी सामाजिक कार्यकर्त्ता हैं। •

कुंजलाल चौधरी

आप का जन्म मार्गशीर्ष सम्वत् १९६७ में सिंघावा में हुआ। सागरमल चौधरी के आप पुत्र हैं। अर्थोपार्जन हेतु आप कलकत्ता आ गए। वर्तमान में आप जूट व्यवसाय में ब्रोकर के रूप में कार्यरत हैं।



सार्वजनिक सेवा कार्यों में आप की प्रगाढ़ अनुरक्ति है। १९४७ ई० में बनगाँव स्थित सहायता शिविर में आप ने शरणार्थियों की बहुविध सेवा की। अग्रसेन स्मृति भवन तथा नागरिक स्वास्थ्य संघ के आप सक्रिय कार्यकर्त्ता रह चुके हैं। बड़तल्ला स्ट्रीट स्थित श्री विशुद्धानन्द हास्पिटल की स्थापना में आप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अथक प्रयत्न से आप ने न केवल धन संग्रह किया, वरन् स्वयं खड़े रह कर इसका भवन निर्माण भी करवाया।

अपनी उत्कट कर्मठता एवं दृढ़ सेवानुराग से आप युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा-स्रोत बन गए हैं। •

राधाकृष्ण कानोड़िया

आप का जन्म ४ नवम्बर १९०४ ई० को मुकुन्दगढ़ (राजस्थान) में हुआ। सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं व्यवसायी गंगाबक्श कानोड़िया आप के पिता थे। अपनी कर्मठता एवं दूरदर्शिता से आप ने सुविख्यात कानोड़िया उद्योग समूह की स्थापना की।



प्रवृत्ति से आप अत्यन्त सहृदय, गुणग्राही तथा दानी हैं। जहाँ कहीं भी आपके उद्योग केन्द्र हैं, वहाँ आपने देवालय निर्माण तो करवाये ही हैं, साथ ही विद्यालय एवं कालेज भी खोल कर शिक्षा प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान किया है, यथा – डिब्रूगढ़, अहमदाबाद, बागलकोट, कप्तानगंज, आदि।

अपनी जन्मस्थली मुकुन्दगढ़ के सर्वांगीण विकास हेतु आप सतत् प्रयत्नशील हैं। आपने वहाँ गंगाबक्श कानोड़िया महाविद्यालय तथा केशर देवी बालिका विद्यालय की स्थापना की। वर्तमान में आप वहाँ १ करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक विशाल अस्पताल का निर्माण करवा रहे हैं।

कलकत्ता महानगर की प्रमुख शैक्षणिक, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से आप घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध हैं। भारतीय विद्या भवन के कलकत्ता केन्द्र के आप संस्थापक तथा अध्यक्ष रह चुके हैं। श्री विशुद्धानन्द सरस्वती मारवाड़ी हास्पिटल तथा बालीगंज शिक्षा सदन के अध्यक्ष एवं ट्रस्टी के रूप में इनके विकास में आपने विशेष योगदान किया। अग्रसेन स्मृति भवन तथा आन्ध्र एसोसियेशन के आप ट्रस्टी हैं। कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी तथा पूर्वांचल कल्याण आश्रम आप की अध्यक्षता में द्रुत गति से प्रगति कर रहे हैं। बड़ाबाजार युवक सभा तथा मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के आप अध्यक्ष रह चुके हैं। प्रति वर्ष अपने निजी ट्रस्टों तथा प्रतिष्ठानों से आप सार्वजनिक कार्यों हेतु लाखों रुपये अनुदान स्वरूप प्रदान करते हैं। निर्धन एवं निरुपाय रोगियों की चिकित्सा हेतु आप ने प्रमुख अस्पतालों में निःशुल्क शायिकाएं आरक्षित करवा दी हैं।

मूर्धन्य एवं उदारमना उद्योगपति, धर्मनिष्ठ एवं शिक्षानुरागी समाजसेवी के रूप में आप प्रतिश्रुत हैं। ●

अनुक्रमणिका परिशिष्ट

अनुक्रमणिका

नोट : क = कर्मठ समाजसेवी ध = धार्मिक र = राजनैतिक स = साहित्यकार एवं कलाकार

ईश्वरी प्र० वर्मा		स ६७
ईश्वरी प्र० शर्मा		स ५६
डा० इलारानी सिंह	१६२/ए/१३२ लेक गार्डेन	स ५६

—उ—

उत्तम चन्द कोचन	४-बी जक्सन लेन	क ११७
उमापति दत्त पांडेय		स ८०
उमाशंकर गुप्त	१२-ए डा० कार्त्तिक बोस स्ट्रीट	स ५३

—क—

कान्ता प्रसाद छोटडिया	१६१/१ म० गा० रोड	क ११०
कन्हैयालाल केजरीवाल	५५ क्रास स्ट्रीट	क ४१
कन्हैयालाल टंडन	६ लूकस लेन	क ९८
कन्हैयालाल पोद्दार	६ ओल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट	स ६
कन्हैयालाल फुलफगर	पी-१९ राजा राजकिशन स्ट्रीट	क १८२
कन्हैयालाल वर्मा	हंस पोखरिया लेन	स ८८
कन्हैयालाल सेठिया	११५-ए चितरंजन एवेन्यू	स ३६
कन्हैयालाल सिखवाल	१९ जकरिया स्ट्रीट	ध १६
कन्हैयालाल चितलांगिया	१३७ कैनिंग स्ट्रीट	र १८
कमल कुमार जैन	२१/२२ राधाबाजार स्ट्रीट	क ४७
कमलाकांत वर्मा	अनामिका, ४ बिशप लेफाय रोड	स ४८
कमला देवी पोद्दार		र २७
कस्तूरचन्द बैनाड़ा	४१-ए ताराचन्द दत्त स्ट्रीट	स २०
कस्तूरचन्द ललवानी	१२ डफ स्ट्रीट	स ६७
कल्याण मल लोढ़ा	२-ए देशप्रिय पार्क ईस्ट	स ३८
कालीकृष्ण रोहतगी	८ शाहा लेन	क १५२
कालीचरण खन्ना	१०० म० गा० रोड	र ३२
काली प्रसाद खेतान		क ४४
काशीनाथ गुटगुटिया	६ मिडलटन स्ट्रीट	क ७३
काशीनाथ मिश्र	७४ लेनिन सरणी	स ७६
काशी प्रसाद मोदी	९३/२ बकुल बगान रोड	क ७७
किशनचन्द बागड़ी		क ११०
किशन दयाल जालान	११८-ए चितरंजन एवेन्यू	क १४७
किशनलाल पोद्दार	३ अलीअसगर रोड, बंगलोर	क ५८
किशनलाल पचीसिया		क १०६
किशोरी लाल ढांढनिया	४ मिडलटन स्ट्रीट	क ४८
किशोरी लाल मेहरा	२८ जमुनालाल बजाज स्ट्रीट	र १३
डा० किशोरीलाल शर्मा	११ मल्लिक स्ट्रीट	र १९
कुमार बृजेन्द्र	१६२-सी रोड वामनगाछी, हावड़ा	स ७२
कुसुम जैन	७० म० गा० रोड	क ६८
केदारनाथ मेहरा	१४८ महात्मा गांधी रोड	क १२४

केशव प्रसाद चमड़िया	२३/१ टैगोर कैसल स्ट्रीट	क	१८३
केशरदेव घोड़िया		क	१५४
केशरदेव जालान	८ बी० बी० डी० बाग (पूर्व)	क	२६
केशर देवी आर्य		र	३०
केशव प्र० खत्री	हिन्दी नाट्य परिषद, ४०२ अपर चितपुर रोड	स	६५
केशव प्रसाद मिश्र		स	४
कृष्णकान्त शास्त्री	२८० चितरंजन एवेन्यू	क	१०३
कृष्ण गोपाल सिन्हा		र	४२
कृष्ण चन्द्र अग्रवाल	७४ धर्मतल्ला स्ट्रीट	स	७७
कृष्ण चन्द्र टंडन	४१-बी पार्वती घोष लेन	र	४५
कृष्णाचार्य	१३० बेलवेडियर एस्टेट	स	५२
कृष्णादुलारी सूद	३७-ए राधा माधव शाह लेन	क	१३४
कृष्ण वल्लभ व्यास	१८५ म० गा० रोड	ध	१५
डा० कृष्ण बिहारी मिश्र		स	८६

—ख—

खड़ग सिंह नाहर	४८ इंडियन मिरर स्ट्रीट	क	१२९

—ग—

गजराज गंगवाल	६८ नलिनी सेठ रोड	ध	१२
गजानन्द पोद्दार	३ ताराचन्द दत्त स्ट्रीट	ध	५
गणपत लाल खत्री	११८ म० गा० रोड	क	६२
गंगाधर बागला		क	५७
गंगादास बिन्नानी	४२ पथरिया घाट स्ट्रीट	क	८६
गंगादास झंवर	५१-ई गरियाहाट रोड	स	७१
गंगा प्र० भोतिका		स	२९
गंगाबक्स कानोड़िया	९ ब्रेबोर्न रोड	क	५५
गंगा देवी मोहता	२/१ गणपतराय खेमका लेन, लिलुआ	र	५
गांगेय नरोत्तम शास्त्री	२८० चितरंजन एवेन्यू	स	७
गणेश ललवानी	१२ डफ स्ट्रीट	स	६८
गणेशमल सराफ	८ रानी रासमणि रोड	क	११६
गणेशमल वैद्य	११८-बी चितरंजन एवेन्यू	क	८३
गणेश प्र० माहेश्वरी	सराफ कारपेट १२ चौरंगी रोड	क	११
गम्भीरमल पांडया	पी १५ कलाकार स्ट्रीट	क	३४
गीतेश शर्मा	१६/१ ब्रजदुलाल स्ट्रीट	स	६२
गिरीश चन्द्र त्रिपाठी		स	६०
डा० गिरधारीलाल अरोड़ा		र	३४
गीगराज अग्रवाल	३८ विवेकानन्द रोड	क	१५७
गुलाबरतन वाजपेयी		स	८३
गुरुदत्त सिंह 'बाबा'		र	४
गुरुदयाल बरेलिया	१७८ चितरंजन एवेन्यू	क	१३५

गोपाल दिनमनी		स	६५
गोपीराम बड़ोपालिया	२-बी ताराचंद दत्त स्ट्रीट	क	८५
गोपीराम धानुका	१२१ चितरंजन एवेन्यू	क	१२३
गोरधनदास बिन्नानी		क	१७८
गोवर्द्धनदास सराफ	६ जी० टी० रोड, उत्तरपाड़ा, हुगली	क	१४८
गोविन्द नारायण काकड़ा	३७ कैनिंग स्ट्रीट	क	१०५
गोविन्द शरण रावत	१६२/ए/२ लेक गार्डेन	क	१४५
गोविन्द प्र० कानोड़िया	५-बी लार्ड सिंहा रोड	क	१०२
गोविन्द नारायण मिश्र	त्रिलोचन घाट, वाराणसी	स	८
गोविन्द प्र० गोयनका	५-ए बैशाख स्ट्रीट	र	३९
गोविन्द देवी पटुवा		र	२९
गौरीशंकर गोयनका		क	२८
गौरीशंकर जालान	नेशनल रबर, १७१ म० गा० रोड	क	७३
गौरीशंकर डालमियाँ	जसीडीह, देवघर, संथाल परगना, बिहार	क	११५
गौरीशंकर बिहानी	४९ नलिनी सेठ रोड	क	१५५

—घ—

घनश्यामदास जगनानी	२९ सर हरीराम गोयनका स्ट्रीट	ध	५
घनश्यामदास बिड़ला	९/१ आर० एन० मुखर्जी रोड	क	१२
घनश्यामदास सरावगी	५१ बड़तल्ला स्ट्रीट	ध	११
घासीराम अग्रवाल		र	३०
घनश्यामदास बेरीवाल	१६७ चितरंजन एवेन्यू	क	१७४

—च—

चंडी प्रसाद शर्मा	केशोराम काटन, ९/१, आर०एन० मुखर्जी रोड	क	६८
चमेली देवी		र	२६
चम्पालाल बागड़ी		क	१३१
डा० चम्पालाल गुप्त		क	११४
चाँदरतन मोहता		क	१०८
चाँदरतन लखानी	२६५ रवीन्द्र सरणी	क	१६३
चिंतामणी राय	२०५ ओल्ड चीना बाजार स्ट्रीट	र	३९
चिम्मन लाल गनेड़ीवाला	५-ए मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट	ध	५
चिम्मन लाल गुजराती		र	१६
चिरंजीलाल केजरीवाल	१० सत्येन दत्त रोड	र	३६
चिरंजीलाल मिश्र	९/१ आर० एन० मुखर्जी रोड	ध	११
चिरंजीलाल बाजोरिया	३ नेताजी सुभाषचन्द्र बोस रोड	क	८२
चिरंजीलाल सराफ		र	२५
चिरंजीलाल सराफ		र	४४
चैनसुख पांडया	पी-१५ कलाकार स्ट्रीट	क	३
चौथमल सराफ	२४ आर० एन० मुखर्जी रोड	क	१७९

—छ—

छविनाथ पाण्डेय		स	२१
छब्बीस		र	२३
छाजूराम चौधरी	११७-सी चितरंजन एवेन्यू	क	१
छोगमल चोपड़ा	१३३ कनिंग स्ट्रीट	क	३३
छोटूलाल मिश्र		स	२
छोटेलाल कानोड़िया	३-ए थियेटर रोड	क	३५
छोटेलाल जैन	२९ इन्द्र विश्वास रोड	स	३३

—ज—

जगत ना० शुक्ल		स	६६
जगदम्बा प्र० शुक्ल		र	८
जगन्नाथ प्र० चतुर्वेदी		स	४२
प्रो० जगन्नाथ सेठ	२०४ चितरंजन एवेन्यू	स	५३
जगन्नाथ प्र० जालान	३१ मदन चटर्जी लेन, सी०आई०टी० बिल्डिंग	क	७५
जगन्नाथ बेरीवाल	१६७ चितरंजन एवेन्यू	क	३१
जगदीश चटर्जी	४ बल्लभदास स्ट्रीट	र	३३
जगदीश ना० तिवारी		र	२१
जगदीश प्र० सराफ	२४ मदनमोहन तल्ला स्ट्रीट	क	१७३
जमनाधर सरावगी	३३ आरमेनियन स्ट्रीट	ध	११
जगमोहन डालमिया	१० अलीपुर रोड	क	१८५
जमुना प्र० पाण्डेय	बांसतल्ला लेन	स	२०
ज्वाला प्र० कानोड़िया		क	२६
जयदेव प्र० अग्रवाल	रामकुमार प्रेमकुमार, २६/१ आरमेनियन स्ट्रीट	क	११२
जयनारायण पोद्दार	२५ नेताजी सुभाष रोड	क	५५
जीवनमल झंवर	४२ कालीकृष्णा टैगोर स्ट्रीट	र	४३
जीवन लाल पंडित		र	८
जुगमंदिर दास जैन	७० म० गा० रोड	क	८८
जुगल किशोर बिड़ला	९/१ आर० एन० मुखर्जी रोड	ध	१
जुगल किशोर शुक्ल		स	१
जुगल किशोर कुंडया		क	१५४
जुगल किशोर जैथलिया	१६१/१ मा० गा० रोड	क	५३
जुहारमल खेमका		क	१६
जेमिनी कौशिक बरुआ	११६/१/१ म० गा० रोड	स	३८
डा० जे० एम० दासगुप्त		र	५५
ज्योतिलाल खत्री	१-सी मदनमोहन बर्मन स्ट्रीट	क	१८३

—झ—

झम्मन लाल जैन		स	९
झाबरमल जालान	११८-ए चितरंजन एवेन्यू	क	१२५
झाबरमल शर्मा	बिन्नी पार्क, जयपुर	स	१२

—ड—

डालिमचन्द सेठिया	३७ वाराणसी घोष स्ट्रीट	र	२२

—त—

ताजमल बोथरा	५ मीर बहार घाट स्ट्रीट	क	८९
ताराचन्द पोद्दार	१२ मधुराई बाई लेन	क	६५
ताराचन्द सराफ	६६ पथरिया घाट स्ट्रीट	क	८२
ताराचन्द साबू	अलंकार, पेन रोड, अलीपुर	क	१७८
तारादेवी खन्ना	१०० म. गा. रोड	र	१८
तारादेवी शर्मा		र	१९
तुलसीदास व्यास	३६२-ए रवीन्द्र सरणी	क	१०१
तुलसीराम सरावगी	३१ मदन चटर्जी लेन	क	६
तैयब मोहम्मद जरीब	१७ सागर दत्त लेन	र	५१
तोलाराम जालान	३६ चोरंगी रोड	क	१८२
तोलाराम माथुर	५६ पथरिया घाट स्ट्रीट	क	१३४

—द—

दयाराम बेरी	१३ कबीर रोड	र	४८
दयाशंकर वाजपेयी		र	५६
दाताराम मक्कड़	४७-ए जकरिया स्ट्रीट	क	५
दाऊदयाल कोठारी	६ हेस्टिंग्स पार्क रोड	क	१७५
दानमल पोद्दार	c/o महावीर प्रसाद डालमिया बंका बाजार कटक-२	क	१३७
दामोदर दास बर्मन	७६-ए नेताजी सुभाष रोड	क	८९
दामोदर दास खन्ना	५१ वाराणसी घोष स्ट्रीट	क	११३
द्वारकाप्रसाद गनेड़ीवाल	१३/१ कलाकार स्ट्रीट	क	१३६
दिलीप कुमार घोष		र	५५
दीनबंधु शुक्ल		र	४९
दीनानाथ कश्यप	२५ मल्लिक स्ट्रीट	स	७५
दीपचन्द नाहटा	११ आर. एन. मुखर्जी रोड	क	५१
दीपचन्द नाहटा		क	१००
दीपचन्द पोद्दार	२५ नेताजी सुभाष रोड	क	५७
दुर्गाप्रसाद खेतान	३/४ क्वींस पार्क	क	४५
दुर्गाप्रसाद नाथानी	१७ सरकार लेन	क	८६
दुर्गाप्रसाद मिश्र	२८० चितरंजन एवेन्यू	स	१
दुलीचन्द अग्रवाल	५ शंभू मल्लिक लेन	क	१४१
देवदत्त मिश्र	एटा, यू० पी०	र	४५
देवनारायण द्विवेदी		स	८१
देवव्रत खत्री		र	३१
देवरतन डागा	४८/३ रामतनु बोस लेन	क	१७६
देवीप्रसाद खेतान	२५ बालीगंज सर्कुलर रोड	क	४३
देवी रांका		र	५५

देवकी नन्दन पोद्दार	११६/१/१ म. गा. रोड	र	५३
देवकीनन्दन मानसिंहका	५१ बड़तल्ला स्ट्रीट	क	२४
देशभक्त भावसिंहका		क	१५५
दौलतराम कोठारी		क	८७
दौलतराम चोखानी	२१ वाराणसी घोष स्ट्रीट	क	११

—ध—

धनराज दफ्तरी	७११ लेक टाउन	क	१३४
धन्नूलाल अग्रवाल		क	३३
धर्मचन्द सरावगी	८/१ इस्प्लानेड ईस्ट	क	१६९
धर्मशीला भुवालका	पी ३२/३३ इंडिया एक्सचेंज प्लेस	ध	१६

—न—

नगीना दास मेहता	१० पोर्चगीज चर्च स्ट्रीट	क	९६
नथमल अग्रवाल		र	३०
नथमल काजड़िया		क	१६९
नथमल केडिया	क्रास स्ट्रीट	क	१८२
नथमल भुवालका	९/१ मिडलटन रोड	क	६६
नथमल सराफ	अप्राप्य	र	४५
नथमल बजाज	१९ बालीगंज सर्कुलर रोड	क	९६
नथमल सेठी	नलिनी सेठ रोड	क	३८
नन्दकिशोर जैन	६३ कालेज स्ट्रीट	क	११९
नन्दकिशोर जालान	२६ अमहर्स्ट स्ट्रीट	क	१८०
नन्द किशोर भावसिंहका	१८ मल्लिक स्ट्रीट	क	१३१
नन्दलाल सरावगी	२९ इन्द्र विश्वास रोड	क	३२
नन्दलाल सुरेका	१५२ बी० के० पाल एवेन्यू	क	५२
नन्दलाल जैन	१६१/१ म० गा० रोड (जवाहिर प्रेस)	क	६०
नन्दलाल टांटिया	१ व २ ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट	क	१८४
मुंशी नवजादिक लाल श्रीवास्तव		स	४४
नवरतनमल बांठिया		क	१०४
नौरंग राय खेतान	९ ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट	क	११२
नवरतनमल सुराना	२०५ रवीन्द्र सरणी	क	१६४
नर्मदा प्रसाद लाठ		क	१२५
नरबेराम दवे		र	८
नरनारायण हरलालका	११८-बी आशुतोष मुखर्जी रोड	क	१७१
नरेश कुमार दारूका	३ दिगम्बर जैन टेम्पुल रोड	र	४३
नागरमल मोदी	नागरमल चंडी प्र० अपर बाजार रांची	क	२
नागरमल शर्मा	११५ काटन स्ट्रीट	र	१६
नागरमल पेड़ीवाल	३६, सदर्न एवेन्यू	क	९१
नारमल लोहिया		क	९७
नाथूराम पोद्दार	१२ मधुराई बाई लेन	क	९१

नाथूराम सराफ		क	१०५
भानूराम सराफ		क	२९
नारायणदास बाजोरिया	११७ महात्मा गांधी रोड	क	१४९
नारायण प्र० माधोगढ़िया	१६ इंडिया एक्सचेंज प्लेस	क	१६१
नारायण शर्मा		र	३४
निर्मला शर्मा (तालवार)	बंगीय हिन्दी परिषद, १५ बंकिम चटर्जी स्ट्रीट	स	७८
निहाल चंद बेरी	हिन्दी प्रचारक संस्थान, २६३ रविन्द्र सरणी	स	४४
नृपेन्द्र कुमार जैन	१६१/१ म० गा० रोड (जवाहिर प्रेस)	क	१९
नेमीचन्द कन्दोई	१३२/१ म० गा० रोड	क	५१

—प—

पद्मराज जैन (रानीवाले)		र	१
पद्मावती झुनझुनवाला (शबनम)	१ बी नन्दोमल्लिक लेन	स	७२
पन्नालाल गुजराती		क	१६७
पन्नालाल गोयनका		र	४९
पन्नालाल जैन (सिघई)	१६१/१ म० गा० रोड (जवाहिर प्रेस)	स	१९
पवन कुमार कीर्तनिया	११ गोयनका लेन	क	१२२
पवन कुमार घेलिया	२४ बड़तल्ला स्ट्रीट	क	१२२
परमानन्द शर्मा		स	४६
परमानन्द गोयल	पोलीकेम इन्डस्ट्री, ५५ इजरा स्ट्रीट	क	९५
परमेश्वर लाल केड़िया	२२ ताराचन्द दत्त स्ट्रीट	क	६८
परमेष्ठी दास जैन		स	२०
प्रकाश चन्द सूद		क	१५६
प्रताप ना० बाजपेयी	इन्डस्ट्रियल गजट, २५ बी चितरंजन एवेन्यू	स	५९
प्रताप सिंह वैद्य	महावीर ट्रेड इन्डस्ट्रियल श्रीलाल मार्केट सिलीगुड़ी	क	८३
डा० प्रतिभा अग्रवाल	२३३/५ आचार्य जगदीश बोस रोड	स	८६
डा० प्रबोध ना० सिंह	१६२/८० लेक गार्डेन्स	स	३९
डा० प्रभाकर माचवे	३६-ए शेक्सपीयर सरणी	स	८५
प्रमोदानन्द ब्रह्मचारी		र	५४
प्रमोद जैन	९ अलीपुर पार्क प्लेस	क	७२
प्रभुदयाल हिम्मतसिंहका	११ क्वींस पार्क	र	४७
पतञ्जलि शर्मा	१६१/१ म० गा० रोड	क	१६३
प्यारेलाल जैन	२७४ रवीन्द्र सरणी	क	१०३
प्रीतम खन्ना	१३२, महात्मा गांधी रोड	स	७१
पी० एन० उपाध्याय		स	८७
पुरूषोत्तम केजरीवाल	१९ बी० के० पाल एवेन्यू	क	६२
पुरूषोत्तमदास खेतान	८ लायंस रेंज	घ	१५
पुरूषोत्तम लाल कानोड़िया	मोहन कुंज, लिलुआ, हावड़ा	घ	१३
पुरूषोत्तम राय	२०५ ओल्ड चीना बाजार स्ट्रीट	र	२
पुरूषोत्तम दास हलवासिया	४७ मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट	क	४८

पुष्कर लाल केडिया	१६८-ए काटन स्ट्रीट	क	१४२
पूरण चंद नाहर	४८ इंडियन मिरर स्ट्रीट	स	९
पुनमचंद भूतोड़िया	५६ नेताजी सुभाष रोड	क	५६
पूरणचंद श्यामसुखा		स	११
प्रेम बाजपेयी	इन्डस्ट्रियल गजट, २५-बी चितरंजन एवेन्यू	स	६९
प्रेमरतन बागड़ी	२/१-ए नन्दो मल्लिक लेन	क	१७१
प्रेमलता भुवालका	३८-सी गरचा फर्स्ट लेन	क	१६१
प्रेमशंकर नरसी (मास्टर फिदा हुसैन)	मुरादाबाद (उ० प्र०)	स	८२
	—फ—		
फतेहचंद नाहटा		र	१९
फूलचंद चौधरी		र	२
पद्मश्री फूलचंद देवरालिया		क	१५६
फूलेश्वर त्रिपाठी	१०-ए मदनमोहन बर्मन स्ट्रीट	र	४४
	—ब—		
बच्चा सिंह		र	३०
बच्चू बहन		र	२८
बच्छराज सुराणा	३ मैंगो लेन	क	१७०
बजरंगलाल लाठ	५२ जकरिया स्ट्रीट	क	२२
बजरंगलाल जाजू	१-ए देवेन्द्र लालखान रोड	क	१४०
बजरंगलाल लोहिया		स	६६
बजरंगलाल सोमानी	८ मंदिर स्ट्रीट	क	५०
ब्रजमोहनदास मिश्र	२२२ रवीन्द्र सरणी	क	१४८
ब्रजमोहन शर्मा		स	५१
ब्रजशंकर शर्मा		स	५२
ब्रह्मदेव मोहता		र	३७
ब्रह्मदत्त झुनझुनवाला	१२ मुरलीधर सेन लेन	क	६४
बृजलाल जानी		र	३१
बृजलाल लोहिया		र	१५
बृजलाल नेवटिया	५२ जकरिया स्ट्रीट	क	१५०
बद्रीप्रसाद गोयनका		क	५६
बद्रीप्रसाद चौधरी	बालमुकुन्द मक्कर रोड	क	१२६
बद्रीप्रसाद पोद्दार	२ गुरुसदय रोड	क	३९
बद्रीप्रसाद शर्मा (संतोषानन्द)		ध	१४
बद्रीप्रसाद सरावगी	१० लार्ड सिन्हा रोड	र	४९
बनवारीलाल झुझारसिंहका		र	३३
बनवारीलाल शर्मा	६ ओल्ड पोस्ट ऑफिस स्ट्रीट	क	१०३
बनारसीदास केडिया	८३ ओल्ड चीना बाजार स्ट्रीट	क	९८
बनारसीदास चतुर्वेदी		स	८२
बंशीलाल सोनी		क	१५७

बलदेवदास अग्रवाल		क	१५३
बलदेवदास सरावगी		क	१७
बलदेव प्रसाद गनेरीवाला	७ स्वालो लेन	क	६९
बलदेवदास दूधवेवाला		ध	६
बसंत कुमार पोद्दार	१२ मधुराई बाई लेन	क	१२८
बसंत कुमार बिड़ला	९/१ आर. एन. मुखर्जी रोड	क	१५१
बसंत कुमार मुरारका		र	९
बहादुर सिंह		र	२५
बहादुर सिंह सिंघवी		स	२९
बांकेलाल कपूर	७ बिडन रो	क	६०
बाबूराम कपूर	१/१ शिवकृष्ण दा लेन	क	१०१
बाबूलाल पोद्दार	१/१ बालमुकुन्द मक्कर रोड	क	२००
बालमुकुन्द गुप्त		स	३
बाबूलाल सराफ		क	१३९
बाबूलाल सरावगी	१२ राउडन स्ट्रीट	क	२४
बाबूराव विष्णु पराडकर	लक्ष्मीशंकर व्यास कालभैरव, वाराणसी	स	४३
बाबूलाल राजगढ़िया	५-ए रसल स्ट्रीट	क	२९
बाबूलाल जालान		क	१०९
बालकृष्ण अग्रवाल	३०-बी बांसतल्ला लेन	क	१३६
बालकृष्ण गुप्त		र	३२
बालकृष्ण चतुर्वेदी	६८ शोभा बाजार स्ट्रीट	र	४३
बालचंद मोदी		स	१७
बालकृष्ण मोहता	२/१ गणपतराय खेमका लेन, लिलुआ	क	८
बालकृष्ण सराफ	१५५ चितरंजन एवेन्यू	क	८०
बालमुकुन्द डालमिया		क	३४
बासुदेव थरड़	५०८ रवीन्द्र सरणी	क	४९
वासुदेव पोद्दार	७ हंसपोखरिया सेकेंड लेन	स	७१
विकटा नन्द		र	३२
विजय सिंह नाहर	४८ इंडियन मिरर स्ट्रीट	र	५०
विधाधर मिश्र		स	६३
विद्याभूषण चिंतामणि	११८-बी चितरंजन एवेन्यू	क	१००
विनयकृष्ण रस्तोगी	४२ कालीकृष्णा टैगोर स्ट्रीट	क	१५२
विनायक प्र० हिम्मतसिंहका	२८ बालीगंज पार्क	र	३८
विमल प्रतिभा देवी		र	२८
डा० विमल कुमार जैन	पी-८ कलाकार स्ट्रीट	क	१८५
विमल लाठ	५२ जकरिया स्ट्रीट	स	५५
विश्वनाथ लोहिया	१७१/१ जे० एन० मुखर्जी रोड, हावड़ा	क	१५०
विश्वानन्द		र	१
विश्वम्भर नेवर	१३-सी रविन्द्र सरणी	स	५५

विष्णुकान्त शास्त्री	२८० चितरंजन एवेन्यू	स	१६
विष्णुदत्त भुवालका		स	१५
विशेश्वरनाथ मिश्र	१८३ म० गा० रोड	क	१३०
विशेश्वर लाल हलवासिया	४७ मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट	क	१
वीरेन्द्र कुमार भुवालका	३८-सी गरचा फर्स्ट लेन	क	१६१
बेचन शर्मा 'उग्र'	अपर इंडिया एसोसियेशन, ४०२ अपर चितपुर रोड	स	१४
वेणीशंकर शर्मा	२२९ चितरंजन एवेन्यू	स	२८
बैजनाथ केडिया	२०३ म० गा० रोड	स	१८
बैजनाथ तापड़िया		क	१२३
बैजनाथ देवड़ा	३ पार्वती घोष लेन	क	८९
बैजनाथ भिवानीवाला	३ गोयनका लेन	क	१६८
बैजनाथ सरावगी	८/१ एस्प्लानेड ईस्ट	ध	७
डा० बैजनाथ सिंह		र	६
बैजूलाल शाह		स	८५

—भ—

भगवान दत्त जोशी	३ दि० जैन टेम्पुल रोड	क	६१
भगवानदास बाजोरिया	११६ रीजेंट पार्क	क	१५०
भगवान देवी सेकसरिया	१६ लार्ड सिन्हा रोड	र	४
भगवतीचरण वर्मा		स	८३
भगवती प्रसाद खेतान	खेतान एन्ड कं०, ९ ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट	क	४५
भगवती प्र० तिवारी		र	३१
भगवती प्र० भगत		क	१०८
भंवरलाल नाहटा	२२ राजा बृजेन्द्र ना० स्ट्रीट	स	७०
भंवरलाल मल्लावत	९५-बी चितरंजन एवेन्यू	क	७९
भंवरलाल सिंघी	१६२/सी/५३३ लेक गार्डेन	स	३०
भरत व्यास		स	८७
भागीरथ कानोड़िया	१० शरत चटर्जी एवेन्यू	क	१४
भागीरथी जालान	५ अब्दुल रसल रोड	क	१२५
भानीराम सुरेका	६ हेस्टिंग्स पार्क रोड	क	१४४
भालचन्द्र शर्मा	१२२ चितरंजन एवेन्यू	र	३४
भूरामल अग्रवाल	७ किरण शंकर राय रोड	क	२०
भैरवदान तापडिया	३७ आरमेनियन स्ट्रीट	क	६२
भैरामल भड़ैच		क	७१
भोमराज बैद	४९/१/१ कॉटन स्ट्रीट	क	१७२
भोला सिंह		र	३२
भोलानाथ बर्मन		स	४१

—म—

मंगतूराम जयपुरिया		क	४६
मंगतूराम जालान		क	१२३

मंगनीराम पसारी		क १५७
मंगनीराम बांगड़	६५ सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट	क १६५
मंगला प्रसाद अग्रवाल		स ८८
मदन गोपाल जोशी		र ८
मदन गोपाल पोद्दार		क १३६
मदन धर		र १५
मदनमोहन बर्मन	महात्मा गांधी रोड	क २५
मदनमोहन सिहानिया		स ६९
मदनलाल अग्रवाल	४२/४४ इजरा स्ट्रीट	क १३९
मदनलाल खेमका		क ३१
मदनलाल चमड़िया	२३/१ टैगोर कैसल स्ट्रीट	क ८१
मदनलाल चतुर्वेदी		स ४७
मदनलाल जाजोदिया		क ३०
मदनलाल टिबड़ेवाल		क १५३
मदनलाल पांड्या	२ बैशाख स्ट्रीट	क ३८
मदनलाल पाटोदिया	७ शंभूमल्लिक लेन	क ९२
मदनलाल मिश्र	सिद्धेश्वरी, वाराणसी	र ४९
मदनलाल हिम्मतसिंहका		क १०७
मधुसूदन दास बर्मन	७६-ए नेताजी सुभाष रोड	र ९
मनसुखराय मोर		क ७३
मन्नालाल चमड़िया	२३/१ टैगोर कैसल स्ट्रीट	क ८१
मणिलाल जालान		क १२८
मनोहर मालवीय		स ६०
महादेव प्र० भुनभुनवाला		क ३०
महादेव प्रसाद सेठ	गौरदास बैशाख लेन	स १२
महादेव लाल डालमिया		क १९
महावीर प्रसाद अग्रवाल		क ३०
महाबीर प्रसाद चौधरी	२२ बड़तल्ला स्ट्रीट	क ८४
महाबीर प्रसाद नारसरिया	५४/४-सी स्ट्रांड रोड	क ९५
महावीर प्रसाद पोद्दार	प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र, जसीडीह	स १९
महावीर प्रसाद बजाज	४२ कालीकृष्णा टैगोर स्ट्रीट	क १२०
महेश प्रसाद खत्री	२ निताई हलधर स्ट्रीट	क ५८
मांगेराम गर्ग	१० लार्ड सिन्हा रोड	क ८७
मातादीन खेतान	२७ विवेकानन्द रोड	क ९२
माधवप्रसाद मिश्र		स ११
माधव प्रसाद शुक्ल		स ६
माधोदास मूंदड़ा	१२/१-बी लिन्डसे स्ट्रीट	क ९३
माधोसिंह जैन		र २४
माणिकचन्द जैन		क १३०
माणिकचन्द सेठिया	सुजानगढ़, राजस्थान	क ११४

मालीराम सरावगी	१४६ महात्मा गाँधी रोड	क ३९
मिठाईलाल गुप्त		र २४
मिलापचन्द बोथरा	५१/१० जी० टी० रोड, नार्थ हावड़ा	क १४६
मिश्रीलाल जैन	२७-ए कैमक स्ट्रीट	क ३६
मीठी बहन		र २५
मुन्निचंद भंडारी	४ सिनागाग स्ट्रीट	स ६४
मुरलीधर सोंथलिया	५६ कालीकृष्णा टैगोर स्ट्रीट	र ३९
मेघराज सेवक	पी-३४ ए चाँदी तल्ला लेन	र २०
मूलचन्द अग्रवाल	७४ धर्मतल्ला स्ट्रीट	स २५
मोतीलाल खेमका		ध १३
मोतीलाल चांदगोटिया		क ३४
मोतीलाल जाजोदिया		क २७
मोतीलाल देवड़ा	३ प्रताप घोष लेन	क ६०
मोतीलाल हलवासिया	४७ मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट	क १८
मोतीलाल लाठ	१६० महात्मा गाँधी रोड	क १४९
मोतीलाल सोनी	पी-१५/२/१ सदर्न एवेन्यू	क १७६
मोहनलाल चोखानी	२१ वाराणसी घोष स्ट्रीट	क ६४
मोहनलाल जालान	३६ चौरंगी रोड	क ५८
मोहन लाल भूत		र २८
मोहन लाल बाँठिया	१६-सी डोभर लेन	क ९९
मोहन लाल मक्कड़		र ४३
मोहन लाल लाठ	पी-२३८ हिन्दुस्तान पार्क	क १४१
मोहन लाल सोंथलिया	१७ रामचन्द्र चटर्जी लेन	क १०९

—य—

यशवंत बामनवाल		ध १२
यशवंती बेन जेठी		र ४६
यशोदानन्द अखौड़ी		स ५
योगध्यान मिश्र	प्रकाशानन्द मिश्र, १२ शम्भू मल्लिक लेन	स ६५

—र—

रंगनाथ त्रिपाठी	बंगीय हिन्दी परिषद, १५ बंकिम चटर्जी स्ट्रीट	स ७९
रंगलाल जाजोदिया		क १२४
रंगलाल पोद्दार		क २५
रघुनाथ प्रसाद केडिया	५६-ए सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट	क १५८
रघुनाथ प्रसाद खेतान	१२/१ केया तल्ला लेन	क ९०
रघुनन्दन मिश्र	७ मार्कस स्क्वायर	स ३०
रघुनाथ पांडेय 'प्रदीप'	३३ शिवठाकुर लेन	स २९
रघुनाथ प्रसाद सिंहानिया		स ६५
रघुमल खंडेलवाल	११६/१/१ महात्मा गाँधी रोड	क ९
रजवंती देवी	१-डी मदन मोहन बर्मन स्ट्रीट	र २८

रतन प्रभा जैन	७७ पथरियाघाट स्ट्रीट	क	९४
रतन लाल सोनी	४२ कालीकृष्णा टैगोर स्ट्रीट	क	१६३
रतन शाह	टेक्नो रबड़ वर्क्स, १४ चाँदनी चौक	स	६२
रतन लाल जोशी	१० ना० प्र० बाबू लेन	स	३९
रतन लाला झाझरी	१६७ चित्तरंजन एवेन्यू	क	३२
रणधीर साहित्यालंकार	१८२ क्रास स्ट्रीट	स	३७
रतीलाल मेहता	४३ साउदर्न एवेन्यू	क	१११
रणछोड़ दास व्यास	१०-सी हलवासिया रोड	क	११७
रमा देवी मुरारका		र	५५
रमा जैन	९ अलीपुर पार्क प्लेस	स	३२
रमाकान्त त्रिपाठी 'प्रकाश'		स	६०
रमेश चन्द गोयल	३८-डी बलराम दे स्ट्रीट	क	१९१
रमेश चन्द जैन	१६१/१ महात्मा गाँधी रोड	क	१८६
रवीन्द्र मोहन चोपड़ा	२ रामलोचन मल्लिक स्ट्रीट	क	१२६
रूपचन्द व्यास		क	१२७
रूलीया राम गुप्त	२१ सिनागाग स्ट्रीट	क	१०१
रमाशंकर बागड़ी	४६ काली कृष्णा टैगोर स्ट्रीट	क	१८४
रामकृष्ण मोहता		क	१७७
रामकृष्ण डालमिया		क	१०६
प्रो० रामकृष्ण रंगा	२१ सरकार बाई लेन	क	९९
रामकृष्ण सरावगी	३१ मदन चटर्जी लेन, सी. आई. टी. बिल्डिंग	र	५२
रामगोपाल गुप्त		क	१६२
रामगोपाल गोयनका		क	७०
रामगोपाल बागला	५१ झामा पुकुर लेन	क	११९
रामगोपाल सोनी		क	१५८
रामगोपाल सोनी	६ सिकदर पाड़ा लेन	क	१२७
रामगोपाल सराफ		क	१२३
रामचन्द्र पोद्दार		क	५५
रामचन्द्र फुलफगर		क	५१
रामचन्द्र दम्मानी	८-एफ नीलाम्बर, २८-बी शेक्सपीयर सरणी	क	७२
रामचन्द्र गोयनका		क	१२९
रामचरण भरतिया	नयागंज, कानपुर-२०८००१	र	११
रामजनम मिश्र		र	२६
रामजीदास बाजोरिया		क	२६
राम थिरानी	३९ माधो कृष्टो लेन	क	१४३
रामरूप द्विवेदी 'नीडर'	डिहचर, वाराणसी	र	१०
डा० रामदुलार सिंह	११८ बेलवेडियर इस्टेट	क	१४१
रामदेव चोखानी	२१ वाराणसी घोष स्ट्रीट	क	१८
राज किशोर सिंह	मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट	स	१५
राजकुमार जैन	१६१/१ म० गा० रोड	क	१२१

राजगृही सिंह	४६/१-ए स्टांड रोड	र	४०
राजदेव सिंह 'कौशल'	३२ए/२ए राजेन्द्र बंधु प्रेस	स	६१
राजबली शुक्ल	कराय सुकुन, जिला-देवरिया (यू० पी०)	र	११
राजवंशी सिंह		क	१३०
राजवंशी सिंह		र	५६
राजबहादुर गुप्त	१० अपर चितपुर रोड	क	१५९
राजाराम भिवानीवाला	८-बी अलीपुर रोड	क	१८३
राजा शिवबक्स बागला		ध	३
राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल		क	१७२
राजीव नयन	७१ अमहर्स्ट स्ट्रीट	स	७३
राजेन्द्र कुमार मणहोत		र	२८
राजेन्द्र उपाध्याय	३३ डा० शरत बनर्जी रोड	स	७३
राजेश खेतान	५ जगदीश कोर्ट रोड	र	५३
राधाकृष्ण छावछरिया		क	९८
राधाकृष्ण नेवटिया	५२ जकरिया स्ट्रीट	स	२६
राधाकृष्ण टिबड़ेवाल		स	२८
राधामोहन गोकुल		स	४१
राधेश्याम बजाज	२३-ई फर्न रोड	र	४२
राधेश्याम सोनी	१० गौरमोहन मुखर्जी स्ट्रीट	क	१८६
राधेश्याम सराफ	५ कबीर रोड	क	१८१
रामअवतार सिंह	५७/३ कॉलिज स्ट्रीट	क	६६
रामअवतार गुप्त	सन्मार्ग, १६०-सी चित्तरंजन एवेन्यू	स	४८
रामएकबाल सिंह		र	४१
राम खिलावन त्रिपाठी 'रूक्म'	एल० आई० जी० हाउसिंग इस्टेट काकुरगाछी	स	७७
राम कुमार खेतान		क	१४७
राम कुमार खेमका	इण्डोफ्रेंच कर्माशियल कं०, ६३ कालेज स्ट्रीट	र	३
रामकुमार गोयनका		क	३
रामकुमार जालान		क	२८
रामकुमार झुनझुनवाला		ध	१४
रामकुमार बांगड़		क	१६५
रामकुमार भुवालका	पी-३२/३३ इंडिया एक्सचेंज प्लेस	स	३४
रामशंकर त्रिपाठी	१६० म० गा० रोड	स	२२
प्रो० रामसकल सिंह	४६ शिवठाकुर लेन	स	६३
रामसहायमल मोर		क	१७
रामहर्ष तिवारी		स	४०
रामाधीन शर्मा 'वशिष्ठ'	७/१ बाबूलाल लेन	क	९६
रामानन्द रुस्तोगी	३३ टालीगंज सर्कुलर रोड	क	१७२
रामानन्द सिंह		र	१२
रामावतार सरावगी	३१-ए बांसतल्ला लेन	क	१६२
रामेश्वर केजरीवाल		क	९०

रामेश्वर नाथानी		क ५६
रामेश्वरलाल नोपानी	१७८ म० गा० रोड	क १६
रामेश्वर टांटिया	५ फैंसी लेन	स २४
रामेश्वर प्र० वर्मा		स ६७
रामेश्वर दास पाटोदिया	१९ चोरंगी रोड	क ६५
रामेश्वर मिश्र	१-डी मदनमोहन बर्मन स्ट्रीट	क ९३
राम ना० भोजनगरवाला	पी-१० न्यू हावड़ा ब्रिज एप्रोच रोड	क १२६
रामनाथ शर्मा	१९ गोविन्द बनर्जी लेन, हावड़ा	क ६९
राम नारायण सिंह	१० शिमला स्ट्रीट	क १२९
राम नगीना सिंह		र ११
राम निवास काजड़िया	१५७ चितरंजन एवेन्यू	क १२५
रामनिवास बाँगड़	१९९ चित्तरंजन एवेन्यू	क १७८
राम निवास लाखोटिया	१-ए लवलॉक प्लेस	क ६३
राम निरंजन सरावगी		र २६
राम निरंजन मुरारका		क १७४
राम प्रताप उपाध्याय		क १६२
राम प्रसाद मिश्र	२४ ब्रजदुलाल स्ट्रीट	स ७६
राम प्रताप भालोटिया		क १३१
रामप्रीति उपाध्याय	४ हरि घोष स्ट्रीट	स ८०
राम प्रसाद गुप्त	८ मदनमोहन बर्मन स्ट्रीट	र १४
राम प्रसाद सराफ	१४५-बी कॉटन स्ट्रीट	क ६९
प्रो० रामव्यास सिंह	१०-ए मदनमोहन बर्मन स्ट्रीट	स ३७
डा० राममनोहर लोहिया		र ३५
रामरिखदास हरलालका		क ५७
राम लगन सिंह	३१ मदन चटर्जी लेन, सी० आई० टी० बिल्डिंग	र ६
रामलाल मेहरोत्रा	१७१-ए म० गा० रोड	क १७५
राम कुमार श्रीमाल		क १६८
रायबहादुर पूरणमल जयपुरिया		ध ८
राय बद्रीदास बहादुर मुकीम		ध २
रास बिहारी बर्मन	७६-ए नेताजी सुभाष रोड	र २६
रावतमल नोपानी	१७८ म० गा० रोड	क १७७

—ल—

लखी बीबी (मेहरा)	१/१ शिवकृष्ण दा लेन	क ९७
लल्लू लाल		स ४
ललित कुमार नटवर		स ३५
आचार्य ललिता प्र० शुक्ल		स २१
लक्ष्मण चन्द्र सिंह		क ५९
लक्ष्मण प्र० अग्रवाल	७-ए राजा संतोष रोड, अलीपुर	क ८५
लक्ष्मी ना० खेमानी		क १३८

लक्ष्मीकान्त भिगन	८ अमर तल्ला स्ट्रीट	क	१०७
लक्ष्मी चन्द जैन	९ अलीपुर पार्क प्लेस	स	२३
लक्ष्मी नारायण गर्दे		स	१३
लक्ष्मी नारायण तोदी		क	१०४
लक्ष्मी नारायण मिश्र	१ रूपचन्द राय स्ट्रीट	क	१६७
लक्ष्मी नारायण मुरोदिया		क	२७
लक्ष्मीनिवास बिड़ला	९/१ आर० एन० मुखर्जी रोड	स	५०
लालबहादुर सिंह	७ बंकिम चटर्जी स्ट्रीट (बंगीय हिन्दी परिषद)	स	७०
लाला श्रीनिवास दास		स	१०
लोकनाथ ढांढनिया		क	४२

—श—

शिवकृष्ण भट्टड़		क	१७७
शिवकुमार दूधवेवाला	५-ए मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट	क	१२०
शिवकुमार नोपानी	८ शोभाराम बैशाख स्ट्रीट	क	१७६
शिवकुमार मिश्र	१९-सी मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट	क	१४५
शिवचन्द्र भरतिया		स	१७
डा० शिवनारायण खन्ना	१२७ बेलवेडियर इस्टेट	स	७८
प्रो० शिवनाथ चौबे	४-डी मदन मोहन बर्मन स्ट्रीट	क	१५९
शिवनाथ शर्मा	११७ कॉटन स्ट्रीट	स	४२
शिवनाथ शुक्ला	कानपुर	र	३४
शिवभगवान गोयनका	गोयनका सदन, १-ए अलीपुर एवेन्यू	क	७६
शिवभगवान डालमिया		क	११२
शिनभगवान बगड़िया	११७ चित्तरंजन एवेन्यू	क	१३३
शिवदेव उपाध्याय 'सतीश'		स	४७
शिवप्रसाद झुनझुनवाला		ध	६
शिवपूजन सहाय		स	५७
शिवरतन जासू	जासू ब्रदर्स, ४० स्ट्रांड रोड	क	५४
शिवरतन बिन्नानी		क	१२४
शिवरतन मोहता	३७३ अपर चितपुर रोड	क	२२
शिवराम पोद्दार		क	१५३
शिवशेखर द्विवेदी		स	३६
शीतल प्रसाद जैन	६ हेंस्टिंग्स पार्क रोड	क	१३२
शेख मुहम्मद जॉन		क	१३८
शोभाचन्द सुराना	४ मेंगो लेन	क	१८१
शुभकरण राजगढ़िया	५ हंगर फोर्ट स्ट्रीट	क	६६
शंकरलाल आर्य	१४ मदन चटर्जी लेन	क	१३२
शंकरलाल पोद्दार	३८ बड़तल्ला स्ट्रीट	क	१६४
शंकरलाल भट्टड़		र	५२
शंकरलाल हरलालका	१८ हंस पोखरिया फर्स्ट लेन	क	१४४
शकुन्तला चिंतामणि	११८-बी चित्तरंजन एवेन्यू	क	४०

साहू शान्ति प्रसाद जैन	९ अलीपुर पार्क प्लेस	क	३७
शान्ति खेतान	६० राजा बसंत राय रोड	क	८४
डा० शंभूनाथ	३८९ जी० टी० रोड, नार्थ हावड़ा	स	७१
जस्टिस शारदा चरण मित्र		स	८१
डा० शारदा फतेहपुरिया	८ हेस्टिंग्स स्ट्रीट, फ्लैट न० ३०	स	६८
श्याम कन्हैया सिंह	सारस्वत क्षत्रिय विद्यालय, ४ बर्मन स्ट्रीट	र	५६
श्यामदेव देवड़ा	३ प्रताप घोष लेन	क	११८
श्यामलाल जालान		क	७०
श्यामसुन्दर कानोड़िया	१६-ए ब्रेबोर्न रोड	क	७८
श्यामसुन्दर दास खत्री		स	४६
श्यामसुन्दर गोयनका	१४/१५ आड़ी बांसतल्ला लेन	क	१७३
श्यामसुन्दर सांगानेरिया	२० ताराचन्द दत्त स्ट्रीट	क	१६०
श्यामानन्द जालान	४७ जकरिया स्ट्रीट	स	६८

—स—

सकल नारायण शर्मा		स	१३
सखा बोरड़	कानोड़िया एण्ड क०, ९ ब्रेबोर्न रोड	स	७०
सखाराम गणेश देउस्कर		स	१०
सखीचन्द जैन	३-बी रसल स्ट्रीट	क	१०
सज्जन देवी मणहोत		र	२१
सत्यनारायण ओझा	९ जगबंधु बराल लेन	क	१४६
सत्यनारायण बजाज	२२ रवीन्द्र सरणी	क	१२८
सत्यनारायण बागला		ध	१३
सत्यदेव विद्यालंकार		स	३३
सत्यनारायण त्रिपाठी 'मंगल'		स	५४
सत्यपाल धवले	महात्मा गाँधी रोड	र	२२
सत्यनारायण टांटिया	५ फैंसी लेन	क	६१
सत्यनारायण मिश्र	१०२ कॉटन स्ट्रीट	र	५
सतीशचन्द व्यास		क	१२०
सदानन्द मिश्र	१२ शंभूमल्लिक लेन	स	११
सम्पतराम भादानी	२० मल्लिक स्ट्रीट	क	११०
सरदार सिंह मनहोत		र	२१
सरदार शिवनाथ सिंह		र	२३
सरस्वती देवी कपूर	७ बिडन रो	र	१२
सरस्वती देवी		र	२४
सरस्वती देवी रौंका		र	३३
सरला महेश्वरी		र	५४
श्रीमती सरला बिड़ला	१८ गुरुसदय रोड	क	१८०
स्वतन्त्र सिंह कोठारी	कोठारी एण्ड क०, २१ ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट	र	५१
स्वामी संकटानन्द		र	२९
स्वामी ज्ञानयोगानन्द पुरी	कॉटन स्ट्रीट, योगानन्द मठ	र	१७

—ह—

—त्र— —ज्ञ—

●